12129CH06

रोकड़ प्रवाह विवरण

6

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय को पढ़ने के उपरांत आप –

- *रोकड़ प्रवाह विवरण के उद्देश्य तथा निर्माण की व्याख्या कर सकेंगे।*
- *प्रचालन क्रियाकलापों, निवेश क्रियाकलापों तथा वित्तीय क्रिया कलापों के बीच विभेद कर सकेंगे।*
- *प्रत्यक्ष विधि का उपयोग करते हुए रोकड़ प्रवाह का विवरण तैयार कर सकेंगे।*
- *अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग करते हुए रोकड़ प्रवाह का विवरण तैयार कर सकेंगे।*

अभी तक आपने वित्तीय विवरणों के बारे में पढ़ा है; विशेष रूप से तुलन-पत्र (एक विशिष्ट तिथि पर एक उद्यम की वित्तीय स्थिति को दर्शाते हुए) तथा आय विवरण (एक विशिष्ट अवधि के बाद एक उद्यम के प्रचालन क्रियाकलापों के परिणाम को दर्शाते हुए) सहित अध्ययन किया है। यहाँ पर एक तीसरा महत्त्वपूर्ण वित्तीय विवरण भी है जिसे *रोकड़ प्रवाह विवरण* के नाम से जानते हैं जो रोकड़ के अंतर्वाह तथा बाहिर्वाह एवं रोकड़ तुल्यराशियों (या तुल्यांकों) को दर्शाता है। यह विवरण प्राय: कंपनियों द्वारा तैयार किया जाता है जो वित्तीय सूचनाओं के उपयोगकर्ताओं के साधन के रूप में स्रोतों एवं रोकड़ के उपयोग जानने तथा एक उद्यम की विभिन्न क्रियाकलापों में एक अवधि के दौरान *उद्यम* की तुल्यराशियों को जानने के काम आता है। यह अध्याय रोकड़ प्रवाह विवरण से संबंधित है जिसने पिछले दशक में पर्याप्त महत्त्व अर्जित किया है। वित्तीय सूचनाओं के उपयोगकर्ताओं हेतु व्यावहारिक उपयोगिता के कारणवश है।

दि इंस्टियूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (ICAI) द्वारा जून 1981 मे जारी किया गया लेखांकन मानक-3 (AS-3), जो वित्तीय स्थिति में परिवर्तन (निधि प्रवाह विवरण) से संबंधित था, संशोधित हो चुका है एवं अब रोकड़ प्रवाह विवरण के निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण से संबंध रखता है। ले.मा.-3 (AS-3) में सभी सूचीकृत कंपनियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया है कि "वे वार्षिक आधार पर दूसरे वित्तीय विवरणों के साथ ही रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार एवं प्रस्तुत करें।" यहाँ यह ध्यातव्य है कि निधि प्रवाह विवरण अब लेखांकन व्यवहार हेतु प्रासंगिक नहीं रहा है, अत: इसी कारणवश इस अध्याय में उसकी आवश्यकता अभिव्यक्त नहीं की गई है।

रोकड़ प्रवाह विवरण एक उद्यम की रोकड़ तुल्यराशियों तथा रोकड़ में बदलाव के संदर्भ में रोकड़ प्रवाह को प्रचालन, निवेश एवं

© NCERT not to be republished

वित्तीय क्रियाकलापों में वर्गीकृत करते हुए ऐतिहासिक जानकारियाँ प्रदान करता है। इसके लिए अपेक्षित है कि एक उद्यम को रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करना चाहिए और उसे प्रत्येक लेखांकन अवधि में प्रस्तुत किया जाना चाहिए, जिस अवधि में वित्तीय विवरण प्रस्तुत किए जाते हैं। इस अध्याय में एक लेखांकन अवधि के लिए रोकड़ प्रवाह विवरण के निर्माण की तकनीक एवं विधि की चर्चा की गई है।

6.1 रोकड़ प्रवाह विवरण के उद्देश्य

रोकड़ प्रवाह विवरण एक कंपनी की अवधि-विशेष में विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा रोकड़ के अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह तथा रोकड़ तुल्यराशियों को दर्शाता है। रोकड़ प्रवाह विवरण का प्राथमिक उद्देश्य एक उद्यम की अवधि विशेष के दौरान विभिन्न (क्रियाकलापों के) शीर्षों जैसे कि प्रचालन क्रियाकलाप, निवेश क्रियाकलाप तथा वित्तीय क्रियाकलापों में रोकड़ प्रवाह (अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह) के संबंध में उपयोगिता पूर्ण सूचना प्रदान करना है।

यह सूचना वित्तीय विवरण के उपयोगकों या उपयोगकर्ताओं के उपयोगिता पूर्ण होती है; क्योंकि यह एक उद्यम की रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांकों को पैदा करने की क्षमता तथा इन रोकड़ प्रवाहों को उद्यम द्वारा उपयोग की आवश्यकताओं के मूल्यांकन हेतु आधार प्रदान करती है। आर्थिक निर्णय जो उपयोगकों द्वारा लिए जाते हैं उन्हें एक उद्यम के द्वारा रोकड़ तथा रोकड़ तुल्यांकों को पैदा करने की क्षमता तथा उनकी उत्पत्ति के लिए सामयिकता एवं सुनिश्चिता की क्षमता को मूल्यांकित करने की आवश्यकता होती है।

6.2 रोकड़ प्रवाह विवरण के लाभ

रोकड़ प्रवाह विवरण निम्नलिखित लाभ प्रदान करता है–

- एक रोकड़ प्रवाह विवरण जब अन्य वित्तीय विवरणों के साथ उपयोग किया जाता है तब वह ऐसी सूचनाएँ प्रदान करता है जो एक उद्यम की निवल परिसंपत्तियों में बदलाव तथा उसके वित्तीय ढाँचे (तरलता एवं ऋणशोधन क्षमता सहित) को मूल्यांकित करने तथा बदलती परिस्थितियों एवं अवसरों में अनुकूल रोकड़ प्रवाह की सामयिकता तथा राशि की प्रभावशीलता की क्षमता जानने में मदद करता है।
- रोकड़ प्रवाह सूचना एक उद्यम की रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांकों को पैदा करने की क्षमता को मूल्यांकित करने में उपयोगी होती है और उपयोगकर्त्ताओं को वर्तमान मूल्य को भविष्य में विभिन्न व्यावसायिक इकाइयों के रोकड़ प्रवाह की तुलना एवं मूल्यांकन के प्रतिमान को विकसित करने में सक्षम बनाती है।
- इसके साथ ही यह विभिन्न उद्यमों की प्रचालन दक्षता एवं रिपोर्टिंग की तुलनात्मकता को बढ़ाता है क्योंकि यह एक ही लेन-देन एवं घटना के लिए विभिन्न लेखांकन निरूपणों के प्रभावों को समाप्त करता है।

- यह परिवर्तनीय परिस्थितियों मे रोकड़ अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह में सामंजस्य स्थापित करने में भी सहायक है। इसके साथ ही भावी रोकड़ प्रवाह की परिशुद्धता के पूर्व मूल्यांकनों को जाँचने में सहायक होते हैं और लाभप्रदता तथा निवल रोकड़ प्रवाह तथा परिवर्तनीय मूल्यों के प्रभाव के बीच संबंधों की जाँच करने में भी सहायक होते हैं।

6.3 रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ

जैसा कि पहले बताया गया है कि रोकड़ प्रवाह विवरण, एक उद्यम की अवधि–विशेष के दौरान विभिन्न क्रियाकलापों से रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांकों के अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह को दर्शाते हैं। ले. मा.–3 (AS-3) के अनुसार 'रोकड़' के अंतर्गत हस्तस्थ रोकड़ तथा बैंक के साथ माँग जमा तथा रोकड़ तुल्यराशियों का तात्पर्य अल्पकालिक उच्च तरलता निवेशों से है जो कि तत्काल रोकड़ की राशि में परिवर्तनीय–रूप में जाने जाते हैं और जो कि अपने मूल्य परिवर्तन के जोखिम हेतु महत्त्वपूर्ण नहीं समझे जाते हैं। एक निवेश सामान्यत: एक रोकड़ तुल्यांक योग्यता तभी पाता है जब उसकी परिपक्वता अवधि अत्यंत लघुकालिक होती है यानि कि प्राप्ति तिथि से तीन माह या कम की हो। अंशों में निवेश को रोकड़ तुल्यांकों से तब तक बाहर रखते हैं जब तक वे ठोस या पर्याप्त रूप से रोकड़ तुल्यराशि/तुल्यांक न हों। उदाहरण के लिए एक कंपनी के अधिमान अंश अपनी मोचन तिथि से ठीक थोड़ा पहले प्राप्त किए जाते हैं बशर्ते कि कंपनी को इनकी परिपक्वता पर भुगतान करने की असफलता का जोखिम बिलकुल ही महत्त्वहीन हो। इसी प्रकार अल्प कालिक विपणन योग्य प्रतिभूतियाँ जिन्हें तत्काल बिना मूल्य में किसी महत्त्वपूर्ण बदलाव के, रोकड़ में परिवर्तित किया जा सके, रोकड़ तुल्यराशियाँ माना जाता है।

6.4 रोकड़ प्रवाह

'रोकड़ प्रवाह' का आशय गैर–रोकड़ मदों द्वारा रोकड़ के आवक एवं जावक (अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह) से है। एक ओर गैर–रोकड़ मद की रोकड़ के रूप में प्राप्ति को रोकड़ अंतर्वाह कहा जाता है। जबकि ऐसे मद के लिए रोकड़ के भुगतान को बाहिर्वाह रोकड़ प्रवाह के रूप में जाना जाता है। उदाहरण के लिए नकद भुगतान द्वारा मशीनरी की खरीद रोकड़ बाहिर्वाह है जबकि एक मशीन की नकद बिक्री के लिए प्राप्त रोकड़ को रोकड़ अंतर्वाह के रूप में जाना जाता है। इसके अतिरिक्त रोकड़ प्रवाह के अन्य उदाहरणों में व्यापारिक प्राप्यों से रोकड़ प्राप्ति, व्यापारिक देयताओं को भुगतान, कर्मचारियों को भुगतान, लाभांश की प्राप्ति, ब्याज का भुगतान आदि सम्मिलित है।

रोकड़ प्रबंधन में रोकड़ तुल्यराशियों में रोकड़ आधिक्य का निवेश भी शामिल होता है। इसीलिए विपणन योग्य प्रतिभूतियों की खरीद या अल्पकालिक निवेश जिससे कि रोकड़ तुल्यांक संघटित होता है, उसे रोकड़ प्रवाह विवरण बनाते समय ध्यान नहीं दिया जाता है।

6.5 रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार करने हेतु क्रियाकलापों का वर्गीकरण

आप जानते हैं कि एक उद्यम को विभिन्न क्रियाकलापों के परिणामस्वरूप रोकड़ प्रवाह (अंतर्वाह या रोकड़ प्राप्ति तथा बाहिर्वाह या भुगतान) होता है जो कि रोकड़ प्रवाह की विषय-वस्तु होती है। ले.मा.-3 के अनुसार इन क्रियाकलापों को तीन वर्गों में वर्गीकृत किया गया है – (1) प्रचालन (2) निवेश और (3) वित्तीय क्रियाकलाप, ताकि इन्हें इन तीनों क्रियाकलापों से उत्पन्न रोकड़ प्रवाह को अलग-अलग दर्शाया जा सके। यह रोकड़ प्रवाह विवरण एक उद्यम की वित्तीय स्थिति में इन क्रियाकलापों के प्रभाव को मूल्यांकित करने में मदद करता है और इसके साथ ही इनमें रोकड़ और रोकड़ तुल्यांकों को जानने में भी मददगार होता है।

6.5.1 प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़

प्रचालन क्रियाकलाप वे क्रियाकलाप हैं जिनमें एक उद्यम की प्राथमिक या प्रमुख क्रियाकलाप संघटित होता है। उदाहरण के लिए, एक कंपनी के लिए पोशाकें बनाना, कच्चे सामान को जुटाना, निर्माण खर्चों का उभरना, पोशाकों की बिक्री, आदि। ये एक उद्यम के प्रधान या प्रमुख आमदनी अर्जक क्रियाकलाप (या मुख्य क्रियाकलाप) हैं तथा यह वे क्रियाकलाप हैं जिनमें निवेश या वित्तीय गतिविधि शामिल नहीं है। प्रचालन में रोकड़ की राशि कंपनी के आंतरिक ऋणशोधन क्षमता स्तर का संकेत देती है तथा बिना बाह्य वित्तीय स्रोतों की सहायता के एक उद्यम की प्रचालन क्षमता को बनाए रखने के लिए पर्याप्त रोकड़ प्रवाह उत्पन्न करती है, लाभांशों को चुकाना, नए निवेशों को क्रियान्वित करने में और ऋणों की वापसी में भी मदद करती है ऋणशोधन क्षमता का एक प्रमुख संकेतक माना जाता है।

प्रचालन के क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को उद्यम की मुख्य क्रियाओं से प्राप्त किया जाता है, इसीलिए सामान्यत: लेन-देनों एवं अन्य घटनाओं का क्रियान्वित रूप परिणाम होते हैं जोकि निवल लाभ या हानि में प्रविष्ट होते हैं। ये प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह के उदाहरण हैं–

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ अंतर्वाह

- माल की बिक्री तथा सेवाओं को प्रदान करने से रोकड़ प्राप्तियाँ
- रॉयल्टी, फ़ीस, कमीशनों तथा अन्य रोकड़ प्राप्तियाँ

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ बाहिर्वाह

- माल एवं सेवाएँ हेतु नकद भुगतान
- कर्मचारियों तथा उनके माध्यम से अन्य व्यक्ति को नकदी भुगतान
- बीमा उपक्रम को प्रीमियम और दावों, वार्षिकी और अन्य पॉलिसी लाभों के लिए रोकड़ भुगतान
- आयकर हेतु नकद भुगतान, जब तक कि इन्हें वित्तीय एवं निवेशन क्रियाकलापों के साथ स्पष्टीकृत न किया जा सके।

प्रचालन रोकड़ प्रवाह के मामलों में निवल स्थिति को दर्शाया जाता है।

एक उद्यम निपटान या व्यापारिक उद्देश्यों के लिए ऋणों एवं प्रतिभूतियों को धारित कर सकता है, तब ऐसे मामलों में वह पुनः बिक्री के लिए विशेष रूप से अपेक्षित मालसूची के समान होते हैं। इस प्रकार प्रतिभूतियों के निपटान या व्यापार की बिक्री एवं खरीद से पैदा होने वाले रोकड़ प्रवाह को प्रचालन क्रियाकलापों में वर्गीकृत किया जाता है। ठीक इसी प्रकार से वित्तीय उद्यमों द्वारा तैयार किया गया रोकड़ अग्रिम एवं ऋण आदि को प्रायः प्रचालन क्रियाकलाप के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, चूँकि ये उद्यम के प्रमुख क्रियाकलापों से संबंद्ध होते हैं।

6.5.2 निवेश क्रियाकलापों से रोकड़

ले.मा.–3 के अनुसार, निवेश क्रियाकलाप के अंतर्गत दीर्घकालिक परिसंपत्तियों की प्राप्ति एवं निपटान तथा वे अन्य निवेश जो रोकड़ तुल्यांकों में शामिल न हों, निवेश क्रियाकलाप की श्रेणी में आते हैं। निवेश क्रियाकलापों के अंतर्गत दीर्घकालिक परिसंपत्तियों या स्थिर परिसंपत्तियों की खरीद और बिक्री भी समाहित होती है जैसे कि मशीनरी, फ़र्नीचर, भूमि एवं भवन आदि। "दीर्घकालिक निवेशों से संबंधित लेनदेन भी निवेश क्रियाकलाप माने जाते हैं।"

निवेश क्रियाकलापों का पृथक रूप से प्रस्तुतीकरण महत्त्वपूर्ण है क्योंकि ये उन मदों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो भविष्य की आय एवं रोकड़ प्रवाह को पैदा करने के संसाधनों में अर्जित खर्चों के लिए किए गए हैं। जिन निवेश क्रियाकलापों से अलग रोकड़ प्रवाह पैदा होता है उनके कुछ उदाहरण ये हैं–

निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ बाहिर्वाह

- स्थिर परिसंपत्तियों को प्राप्त करने के लिए नकद भुगतान जिनमें अगोचर एवं पूँजीकृत अनुसंधान एवं विकास आते हैं।
- अंशों, अधिपत्रों या ऋण प्रपत्रों को अन्य उद्यमों से प्राप्त करने पर नकद भुगतान, यदि ऐसे प्रपत्रों को व्यापारिक उद्देश्यों के लिए धारित न किया गया है।
- तीसरी पार्टी को रोकड़ अग्रिम एवं ऋण देना (वित्तीय उद्यमों द्वारा अग्रिम एवं ऋणों के देने के अलावा, जहाँ यह प्रचलन क्रियाकलाप माना जाता है)।

निवेश क्रियाकलापों से रोक अंतर्वाह

- अमूर्त परिसंपत्ति सहित स्थिर परिसंपत्तियों के निपटान से नकद प्राप्तियाँ
- तीसरी पार्टी को दिए गए ऋणों एवं पेशगी के परिशोधन से प्राप्त रोकड़ (केवल वित्तीय उद्यमों को छोड़कर)।

© NCERT not to be republished

- अन्य उद्यमों के अंशों, अधिपत्रों या ऋण प्रपत्रों के निपटान ये प्राप्त रोकड़ यदि ऐसे प्रपत्रों को व्यापारिक उद्देश्य के लिए धारित न किया गया हो।
- ऋणों एवं अग्रिमों ब्याज की रोकड़ में प्राप्ति।
- अन्य उद्यमों में निवेशों से प्राप्त लाभांश।

6.5.3 वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़

जैसा कि नाम संकेतित करता है, "वित्तीय कियाकलापों का संबंध दीर्घकालिक निधियों या एक उद्यम की पूँजी से है।" उदाहरण के रूप में समता अंश, ऋणपत्रों के निर्गमन की प्राप्ति में रोकड़, बैंकों से ऋण उगाहना या बैंक ऋणों का भुगतान आदि। ले.मा.-3 के अनुसार वित्तीय क्रियाकलाप वे क्रियाकलाप हैं जिनके परिणाम स्वरूप स्वामित्व पूँजी (यदि एक कंपनी है तो अधिमानी अंश पूँजी सहित) और उद्यमों से ऋण या कर्ज़ उठाने के संघटन एवं आकार में परिवर्तन आता है। वित्तीय क्रियाकलापों का रोकड़ प्रवाह के लिए, अलग प्रकरण महत्त्वपूर्ण होता है क्योंकि एक उद्यम निधि प्रदानकर्ता (पूँजी एवं ऋण दोनों) के द्वारा भावी दावों का अनुमान लगाने में सक्षम होता है। वित्तीय क्रियाकलापों के उदाहरण हैं–

वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ अंतर्वाह

- अंश निर्गम से रोकड़ प्राप्तियाँ। (समता अथवा/और अधिमानी)
- ऋणपत्रों, ऋणों, बंधपत्रों एवं अन्य अल्प या दीर्घकालिक ऋणों से रोकड़ प्राप्तियाँ।

वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ बाहिर्वाह

- उधार ली गई राशि का नकद भुगतान।
- ऋणपत्रों, दीर्घकालिक ऋणों तथा पेशगियों पर ब्याज भुगतान
- समता एवं अधिमानी पूँजी पर लाभांश भुगतान

यहाँ पर यह बताना महत्त्वपूर्ण है कि एक लेन-देन में ऐसा रोकड़ प्रवाह भी शामिल हो सकता है, जिसे भिन्न रूप से वर्गीकृत किया गया हो। उदाहरण के लिए, जब एक स्थिर परिसंपत्ति का अर्जन विभिन्न भुगतान के आधारों पर होता है, जिसमें ब्याज एवं ऋण दोनों शामिल होते हैं तब ब्याज को वित्तीय क्रियाकलाप में वर्गीकृत किया जाता है। तथा ऋण को निवेश क्रियाकलाप के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। इसके अतिरिक्त एक ही क्रियाकलाप को भिन्न उद्यमों के लिए भिन्नता पूर्वक वर्गीकृत किया जाता है। उदाहरण के लिए, अंशों की खरीद अंश दलाली फ़र्म हेतु एक प्रचालन क्रियाकलाप है जबकि अन्य उद्यमों के लिए एक निवेश क्रियाकलाप है।

© NCERT not to be republished

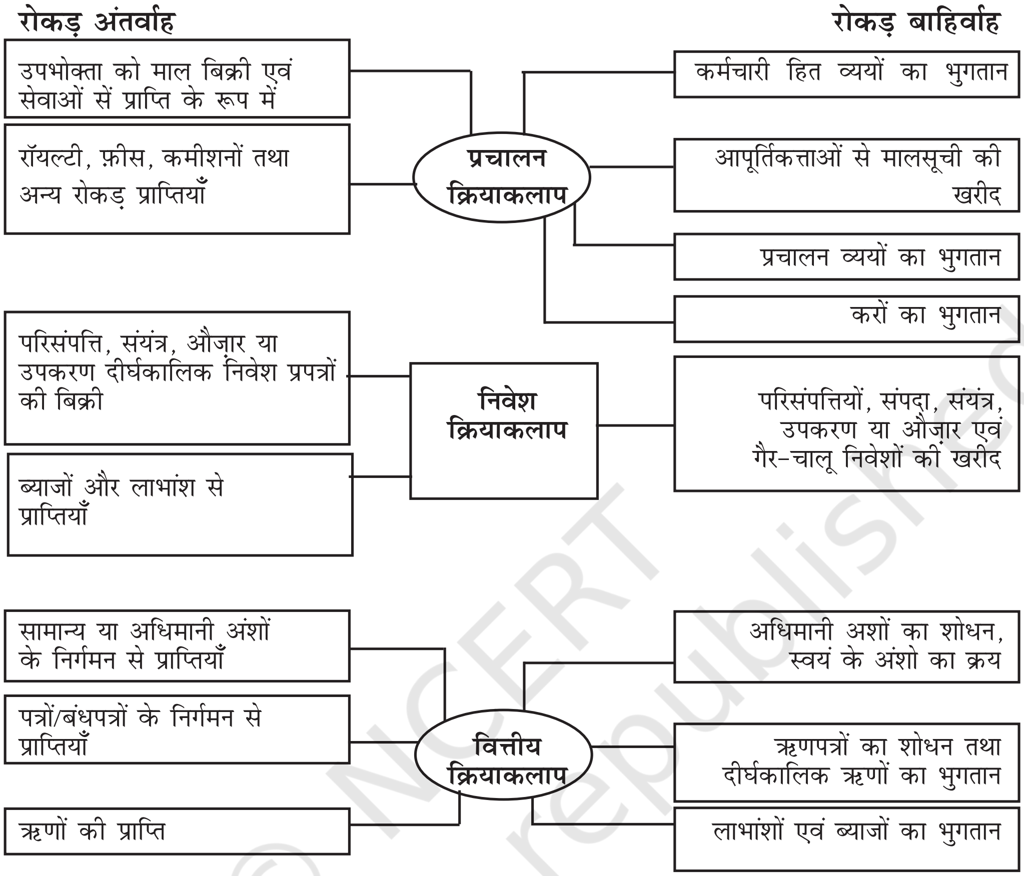

प्रदर्श 6.1 – ***रोकड़ अंतर्वाह एवं रोकड़ बाहिर्वाह का वर्गीकरण***

6.5.4 कुछ विशिष्ट (व्यक्तिगत) मदों का व्यवहार

असाधारण मदें

'असाधारण मदें सामान्य परिदृश्य नहीं होती हैं।' उदाहरण के रूप में, चोरी या भूकंप अथवा बाढ़ के कारण हुई क्षति या हानि। "असाधारण मदें प्रकृति में गैर-पुनरार्वतक होती हैं और इसी कारण असाधारण मदों के साथ जुड़े रोकड़ प्रवाह को प्रचालन, निवेश एवं वित्तीय क्रियाकलापों से अलग हटकर प्रकट किया जाता है।" ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि उपयोगकर्ता असाधारण मदों की प्रकृति एवं एक उद्यम के वर्तमान एवं भावी रोकड़ प्रवाह पर हुए प्रभाव को समझने में सक्षम हो सकें।

ब्याज व लाभांश

यदि कोई वित्तीय उद्यम (जिसका प्रमुख कार्य वित्त का लेन-देन है) ब्याज देता है, ब्याज प्राप्तियाँ और लाभांश प्राप्त करता है तो उसे प्रचालन क्रियाकलाप के अंतर्गत वगीकृत किया जाता है जबकि लाभांश के भुगतान को वित्तीय क्रियाकलाप के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है।

© NCERT not to be republished

गैर-वित्तीय उद्यमों के संदर्भ में, ले.मा.-3 के अनुसार, ब्याज और लाभांश के भुगतान को वित्तीय क्रियाकलापों के रूप में वर्गीकृत करना उपयुक्त समझा जाता है जब की ब्याज और लाभांश से प्राप्तियों को निवेशन क्रियाओं में वर्गीकृत किया जाता है।

आय एवं लाभों पर कर

कर जो आयकर (लाभों पर कराधान), पूँजी लाभ पर कर, लाभांश पर कर (अंश धारकों को लाभांश के रूप में वितरित की गई राशि पर कर) आदि हो सकते हैं। ले.मा.-3 के अनुसार "आय पर कर से अर्जित रोकड़ प्रवाह को, पृथक रूप से दर्शाया जाएगा और उसे प्रचालन क्रियाकलापों से अर्जित रोकड़ प्रवाह के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा जब तक कि उसकी पहचान वित्तीय अथवा निवेशन क्रियाकलापों के रूप में न की जा चुकी हो।" इससे यह स्पष्टतया है कि–

- प्रचालन लाभों पर करों को प्रचालन रोकड़ प्रवाह के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए।
- लाभांश कर अर्थात् लाभांश पर चुकाए गए कर को लाभांश भुगतान के साथ वित्तीय क्रियाकलाप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए।
- पूँजी लाभ पर कर स्थिर परिसंपित्तयों की बिक्री पर चुकाया जाता है, उसे निवेशन क्रियाकलापों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाना चाहिए।

गैर-रोकड़ लेनदेन

ले.मा.-3 के अनुसार, "जिन निवेश एवं वित्तीय लेनदेनों के लिए रोकड़ या रोकड़ तुल्यांकों की आवश्यकता नहीं होती है, उन्हें रोकड़ प्रवाह विवरण से बहिष्कृत रखना चाहिए।" ऐसे लेन देनों के उदाहरण हैं– समता अंशों के निर्गमन द्वारा मशीनरी का क्रय अथवा समता अंशों के निर्गमन द्वारा ऋण पत्रों का मोचन। ऐसे लेन-देनों को वित्तीय विवरणों में कहीं अन्य तरीकों से व्यक्त किया जाना चाहिए, जो उन निवेशों एवं वित्तीय क्रियाकलापों के बारे में उपयुक्त सभी जानकारी प्रदान कर सके। इसी कारण, अंश के निर्गम द्वारा प्राप्त किए गए परिसंपत्तियों को गैर-रोकड़ प्रकृति का लेन-देन होने के कारण रोकड़ प्रवाह विवरण में व्यक्त नहीं किया जाना चाहिए।

इन तीनों वर्गीकरणों के साथ रोकड़ प्रवाह विवरण को प्रदर्श 6.2 में दर्शाया गया है।

रोकड़ प्रवाह विवरण

(मुख्य शीर्ष केवल)	
(क) प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	xxx
(ख) निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	xxx
(ग) वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	xxx
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक में निवल वृद्धि (कमी) (क + ख + ग)/	xxx
+ प्रारंभ में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	xxx
= अंत में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	xxx

प्रदर्श 6.2 – *रोकड़ प्रवाह विवरण का प्रारुप*

© NCERT not to be republished

स्वयं जाँचिए 1

निम्नलिखित क्रियाकलापों को प्रचालन क्रियाकलाप, निवेश क्रियाकलाप, वित्तीय क्रियाकलाप, रोकड़ तुल्यांक में वर्गीकृत कीजिए।

1.	मशीनरी की खरीद	2.	समता अंश पूँजी के निर्गमन से प्राप्तियाँ
3.	प्रचालन से रोकड़ आगम	4.	दीर्घकालिक उधारों से प्राप्तियाँ
5.	पुरानी मशीनरी की बिक्री से प्राप्तियाँ	6.	व्यापारिक प्राप्यों से नकद प्राप्तियाँ
7.	व्यापारिक कमीशन प्राप्ति	8.	गैर-चालू विनियोगों का क्रय
9.	अधिमान अंशों का मोचन	10.	नकद क्रय
11.	गैर-चालू विनियोगों के विक्रय से प्राप्तियाँ	12.	ख्याति का क्रय
13.	आपूर्तिकर्ता को नकद भुगतान	14.	समता अंशों पर अंतरिम लाभांश भुगतान
15.	कर्मचारी हित व्ययों का भुगतान	16.	एकस्व की बिक्री से प्राप्तियाँ
17.	निवेश के रूप में धारित ऋण पत्रों पर ब्याज	18.	दीर्घकालिक ऋणों पर ब्याज भुगतान
19.	कार्यालय एवं प्रशासनिक व्यय भुगतान	20.	निर्माण ऊपरी लागत का भुगतान
21.	निवेश के रूप में रखे गए ऋणपत्रों पर प्राप्त ब्याज	22.	निवेश के रूप में रखी गई संपदा पर प्राप्त किराया
23.	बिक्री एवं वितरण व्यय भुगतान	24.	आयकर भुगतान
25.	अधिमान अंशों पर लाभांश भुगतान	26.	अधिगोपन कमीशन का भुगतान
27.	किराया भुगतान	28.	गैर-चालू विनियोगों की खरीद पर दलाली भुगतान
29.	बैंक ओवर-ड्राफ्ट	30.	नकद जमा
31.	अल्पकालिक जमा	32.	विपणन योग्य प्रतिभूतियाँ
33.	आयकर वापसी प्राप्ति		

6.6 प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना

एक उद्यम में प्रचालन क्रियाकलाप आय एवं व्ययों का मुख्य स्रोत होते हैं। इसलिए, प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह को विशेष ध्यान की आवश्यकता होती है।

लेखा मानक-3 के अनुसार, एक उद्यम को प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह की रिपोर्ट में इनमें से किसी एक का उपयोग करना चाहिए–

- प्रत्यक्ष विधि जहाँ सकल रोकड़ प्राप्तियों तथा सकल रोकड़ भुगतानों के प्रमुख वर्ग व्यक्त किए जाते हैं।

या

- अप्रत्यक्ष विधि जहाँ निवल लाभ या हानि को यथानुसार निम्न के प्रभाव से समायोजित किया जाता है– (1) गैर-रोकड़ प्रकृति के लेनदेन, (2) भूतकालिक/भविष्यकालिक रोकड़ प्राप्तियों में

कोई विलंबन या प्रोद्‌भवन, (3) निवेश या वित्तीय रोकड़ प्रवाह से संबद्ध आय एवं व्यय के मद। यहाँ पर यह ध्यान रखना महत्त्वपूर्ण है कि अप्रत्यक्ष विधि के अंतर्गत के प्रारंभिक बिंदु लाभ व हानि, विवरण के अनुसार कराधान और असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ व हानि हैं। इसके बाद यह राशि गैर-रोकड़ मदों आदि प्रचालन क्रियाकलापों से अभिनिश्चित रोकड़ प्रवाह के लिए समायोजित की जाती है।

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को प्रत्यक्ष विधि अथवा अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग करते हुए यथानुसार सुनिश्चित किया जा सकता है। इन विधियों की विस्तृत परिचर्चा निम्नवत्‌ है।

6.6.1 प्रत्यक्ष विधि

जैसा कि नाम संकेत देता है, प्रत्यक्ष विधि के अंतर्गत रोकड़ अंतर्वाह एवं रोकड़ बाहिर्वाह (जैसे, व्यापारिक प्राप्यों से प्राप्त रोकड़ या कर्मचारी हित व्ययों का भुगतान आदि) के प्रमुख शीर्षों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

यहाँ पर यह ध्यान देना महत्त्वपूर्ण है कि लाभ व हानि विवरण में मदों का अभिलेखन प्रोद्‌भवन के आधार पर होता है। इसी कारण, इन्हें रोकड़ आधार में परिवर्तित करते हुए कुछ निश्चित समायोजन करने होते हैं जो कि निम्न हैं–

1. उपभोक्ता से रोकड़ प्राप्ति = प्रचालन से आगम + प्रारंभिक व्यापारिक प्राप्य – अंतिम व्यापारिक प्राप्य।
2. पूर्तिकारकों को नकद भुगतान = क्रय + प्रारंभिक व्यापारिक देयताएँ – अंतिम व्यापारिक देयताएँ।
3. क्रय = प्रचालन से आगम की लागत – प्रारंभिक स्टॉक + अंतिम स्टॉक।
4. रोकड़ व्यय = उपार्जित आधार पर व्यय + प्रारंभ में पूर्वदत्त व्यय एवं अंत में बकाया व्यय + अंत में पूर्वदत्त व्यय और प्रारंभ में बकाया व्यय।

हालाँकि, निम्नलिखित मदों पर विचार नहीं किया जाता है–

1. गैर-रोकड़ मदें जैसे कि ह्रास, अंशों पर बट्टा आदि को अपलिखित किया जाएगा।
2. वे मदें जिन्हें निवेश या वित्तीय क्रियाकलापों में वर्गीकृत किया गया है। जैसे कि ब्याज प्राप्तियाँ, लाभांश भुगतान आदि।

लेखा मानक-3 के अनुसार प्रत्यक्ष विधि के अंतर्गत सकल रोकड़ प्राप्तियाँ तथा रोकड़ भुगतानों के प्रमुख वर्गों के बारे में, सूचनाओं को निम्नानुसार किसी भी विकल्प द्वारा प्राप्त किया जा सकता है–

- उद्यम के लेखांकन अभिलेखनों से, या

  प्रचालन से आगम और प्रचालन से आगम की लागत को लाभ-हानि विवरण में निम्नुासार समायोजित किया जा सकता है–

  रहतिया एवं व्यापारिक प्राप्यों और देयताओं की अवधि में परिवर्तन;

  अन्य गैर-रोकड़ मदें, और

  अन्य मदें जिनके लिए निवेश या वित्तीय रोकड़ प्रवाहों में रोकड़ प्रभावित होता हो।

प्रदर्श 6.3 प्रत्यक्ष विधि का उपयोग करते हुए प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह के प्रारूप को दर्शाता है।

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह (प्रत्यक्ष विधि)		
प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		
उपभोक्ताओं से रोकड़ प्राप्तियाँ		xxx
(–)	कर्मचारियों एवं आपूर्तिकर्त्ताओं को नकद भुगतान	(xxx)
=	प्रचालन से अर्जित रोकड़	**xxx**
(–)	आयकर भुगतान (प्रदत)	(xxx)
=	असाधारण मदों से पूर्व रोकड़ प्रवाह	**xxx**
+/–	असाधारण मद	xxx
=	प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़	**xxxx**

प्रदर्श 6.3– *प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का प्रारूप*

उदाहरण 1

निम्नलिखित सूचनाओं से प्रत्यक्ष विधि का उपयोग करते हुए प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना करें।

लाभ व हानि विवरण
वर्षांत 31 मार्च, 2017 वर्ष को

विवरण		*नोट संख्या*	*चालू प्रतिवेदन अवधि की राशियाँ रु.*
(i)	प्रचालन से आगम		2,20,000
(ii)	अन्य आय		—
(iii)	कुल आगम (i+ii)		2,20,000
(iv)	व्यय		
	उपभोग की गई सामग्री की लागत		1,20,000
	कर्मचारी हित व्यय		30,000
	ह्रास		20,000
	अन्य व्यय		
	बीमा प्रीमियम		8,000
	कुल व्यय		1,78,000
(v)	कर से पूर्व लाभ (iii-iv)		42,000
	घटाया–आय कर		(10,000)
	कर के पश्चात् लाभ		32,000

अतिरिक्त सूचना

विवरण	*अप्रैल 1, 2016 रु.*	*मार्च 31, 2017 रु.*
व्यापारिक प्राप्य	33,000	36,000
व्यापारिक देयताएँ	17,000	15,000
रहतिया (स्टॉक)	22,000	27,000
बकाया कर्मचारी हित व्यय	2,000	3,000
पूर्वदत्त बीमा	5,000	5,500
बकाया आयकर	3,000	2,000

हल

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह

विवरण	*राशि (रु.)*
उपभोक्ताओं से रोकड़ प्राप्तियाँ	2,17,000
अपूर्तिकर्त्ताओं को रोकड़ भुगतान	(1,27,000)
कर्मचारियों को रोकड़ भुगतान	(29,000)
बीमा प्रीमियम हेतु रोकड़ भुगतान	(8,500)
प्रचालन से प्राप्त रोकड़	52,500
आयकर भुगतान	(11,000)
प्रचालनों से निवल रोकड़ प्रवाह	**41,500**

कार्यकारी टिप्पणी

1. निम्नानुसार परिकलित रोकड़ प्राप्तियाँ उभोक्ताओं से प्राप्त हुई हैं–

   उपभोक्ताओं से रोकड़ प्राप्तियाँ = प्रचालन से आगम + प्रारंभिक व्यापारिक प्राप्य – अन्तिम व्यापारिक प्राप्य
   = रु. 2,20,000 + रु. 33,000 – 36,000 रु.
   = 2,17,000 रु.

2. क्रय = प्रचालन से आगम की लागत – प्रारंभिक स्टॉक + अंतिम स्टॉक
   = 1,20,000 रु. – 22,000 रु. + 27,000 रु.
   = 1,25,000 रु.

3. आपूर्तिकर्ता को नकद भुगतान = क्रय + प्रारंभिक व्यापारिक देयताएँ – अंतिम देयताएँ
   = 1,25,000 रु. + 17,000 रु. – 15,000 रु.
   = 1,27,000 रु.

© NCERT not to be republished

4. रोकड़ व्यय = उपार्जन आधार पर व्यय – प्रारंभ में पूर्वदत्त व्यय व अंत में बकाया व्यय + अंत में पूर्वदत्त व्यय तथा प्रारंभ में बकाया व्यय

5. कर्मचारियों को रोकड़ भुगतान = 30,000 रु. + 2,000 रु. – 3,000 रु.
= 29,000 रु.

6. बीमा की किस्त रोकड़ भुगतान = 8,000 रु. – 5,000 रु. + 5,500 रु.
= 8,500 रु.

7. आयकर भुगतान = 10,000 रु. + 3,000 रु. – 2,000 रु.
= 11,000 रु.

8. यहाँ पर यह ध्यान देना महत्त्वपूर्ण है कि यहाँ पर कोई असाधारण मदें नहीं हैं।

6.6.2 अप्रत्यक्ष विधि

अप्रत्यक्ष विधि में प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना निवल लाभ/हानि की राशि से प्रारंभ होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि एक उद्यम के सभी प्रचालन क्रियाकलापों के प्रभावों को लाभ व हानि विवरण संभावित करता है। हालाँकि लाभ व हानि विवरण उपार्जन आधार पर (और न कि रोकड़ आधार पर) तैयार किए जाते हैं। इसके अलावा यह कुछ निश्चित गैर-प्रचालन मदों को भी शामिल करता है जैसे कि ब्याज भुगतान, (स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ/हानि आदि) तथा गैर-रोकड़ मदें (जैसे कि मूल्यह्रास, ख्याति को अपलिखित करना)। इसीलिए, यह आवश्यक हो जाता है कि लाभ व हानि विवरण में दर्शाई गई निवल लाभ/हानि को प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह आने पर समायोजित किया जाए। आइए इस उदाहरण को देखें–

लाभ व हानि विवरण
वर्षांत 31 मार्च, 2017 को

	विवरण	*नोट संख्या*	*राशियाँ रु.*
(i)	प्रचालन से आगाम		1,00,00
(ii)	अन्य आय	1	2,000
(iii)	कुल आगम (i+ii)		1,02,000
(iv)	व्यय		
	उपभोग की गई सामग्री की लागत		30,000
	व्यापारिक रहतिया का क्रय		10,000
	कर्मचारी हित व्यय		10,000
	वित्तीय लागत		5,000
	ह्रास		5,000
	अन्य व्यय		12,000
			72,000
(v)	कर से पूर्व लाभ (iii–iv)		30,000

© NCERT not to be republished

टिप्पणी–

अन्य आय में भूमि के विक्रय से प्राप्त लाभ सम्मिलित है।

उपर्युक्त लाभ व हानि विवरण निवल लाभ की राशि 30,000 रु. दर्शाता है। इसे प्रचालन क्रियाकलाप से आने वाले रोकड़ प्रवाह द्वारा किया जाता है। आईए एक के बाद एक विभिन्न मदों को देखते हैं–

1. *ह्रास*–एक गैर-रोकड़ मद है। अत: 5,000 रु. ह्रास के रूप में रोकड़ प्रवाह नहीं है। इसी कारण, इस राशि को निश्चित रूप से निवल लाभ में वापस जोड़ा जाना चाहिए।
2. *वित्तीय लागत*–यह 5,000 रु. का वित्तीय क्रियाकलापों में एक रोकड़ बाहिर्वाह है। इसलिए, जब प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह का परिकलन किया जा रहा हो, इस राशि को भी वापस निश्चित रूप से निवल लाभ में जोड़ा जाना चाहिए। वित्तीय लागत की यह राशि वित्तीय क्रियाकलाप के शीर्ष में एक बाहिर्वाह के रूप में दर्शाई गई है।
3. अन्य आय में भूमि के विक्रय से प्राप्त लाभ सम्मिलित है। अतैव, प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह के, परिकलन के समय निवल लाभ की राशि को निश्चित रूप से घटाया जाना चाहिए।

उपयुर्क्त उदाहरण आपको यह अनुमान देता है कि निवल लाभ/हानि की राशि में विविध समायोजन कैसे किए जाते हैं। अन्य महत्त्वपूर्ण समायोजन कार्य पूँजी में परिवर्तन से संबधित होते हैं जो कि अपरिहार्य रूप से (अर्थात् चालू परिसंपत्तियों एवं चालू देनदारियों के मद) निवल लाभ/हानि में बदलते हैं जोकि प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह में उपार्जन पर आधारित होते हैं, इसीलिए चालू परिसंपत्तियों में वृद्धि तथा चालू देनदारियों में कमी को प्रचालन लाभ से घटाया जाता है तथा चालू परिसंपतियों में कमी तथा चालू देनदारियों में वृद्धि को प्रचालन लाभ में जोड़ा जाता है, जिससे प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़ प्रवाह की परिशुद्ध राशि ज्ञात होती हैं। लेखा मानक-3 के अनुसार, अप्रत्यक्ष विधि के अंतर्गत प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़ प्रवाह का निर्धारण, निम्न के प्रभावों से निवल लाभ या हानि में समायोजन के द्वारा संभव होता है।

- गैर-रोकड़ मदें जैसा कि ह्रास, ख्याति का अपलेखन, प्रावधान, अस्थगित कर आदि जो कि बाद में जोड़ी जाती हैं।
- अन्य सभी मदें जिनके लिए निवेश या वित्तीय रोकड़ प्रवाह को रोकड़ प्रभावित करता है। इस प्रकार की मदों का निरूपण उनकी प्रवृति पर निर्भर करता है। सभी निवेश एवं वित्तीय आय निवल लाभ की राशि से घटाई जाती है जबकि इस प्रकार के खर्चों को वापस जोड़ा जाता है। उदाहरण के लिए, वित्तीय लागत जो कि एक वित्तीय रोकड़ बाहिर्वाह है, वापस जोड़ा जाता है जबकि अन्य आय जैसे कि प्राप्त ब्याज जो कि एक निवेश रोकड़ अंतर्वाह है, निवल लाभ की राशि से घटाया जाता है।

परिसंपत्तियों एवं देनदारियों में अवधि के दौरान बदलाव चालू परिसंपत्तियों में वृद्धि तथा देनदारियों में कमी को घटाया जाता है जबकि चालू देनदारियों में वृद्धि तथा चालू परिसंपत्तियों में कमी को जोड़ा जाता है।

प्रदर्श 6.4 अप्रत्यक्ष विधि के अनुसार प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह के परिकलन का प्रारूप दर्शाता है।

प्रत्यक्ष विधि वह सूचना प्रदान करती है जोकि भावी रोकड़ प्रवाह को अनुमानित करने के लिए उपयोगी होती है, लेकिन इस प्रकार की जानकारी अप्रत्यक्ष विधि के अंतर्गत उपलब्ध नहीं होती है। हालाँकि व्यावहारिकता में कंपनियों द्वारा प्रचालन क्रियाकलाप से निवल रोकड़ प्रवाह पर आने के लिए अधिकतर अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग किया जाता है।

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह
(अप्रत्यक्ष निधि)

	असाधारण मदें तथा कराधान से पहले निवल लाभ/हानि तथा	
+	गैर-रोकड़ मदों के लिए पहले ही लाभ व हानि विवरण में कटौती की गई जैसे कि मूल्यह्रास, ख्याति का अपलेखन	xxx
+	गैर-प्रचालनीय मदों जैसे कि ब्याज के खातों पर लाभ व हानि विवरण में पहले ही कटौती की गई	xxx
–	गैर-प्रचालन मदों जैसे कि लाभांश प्राप्ति, स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ जिन्हें विवरण में जोड़ा गया है।	(xxx)
	कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	xxx
+	चालू देनदारियों में वृद्धि	xxx
+	चालू परिसंपत्तियों में कमी	xxx
–	चालू परिसंपतियों में वृद्धि	(xxx)
–	चालू देनदारियों में कमी	(xxx)
	कराधान एवं असाधारण मदें से पूर्व प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	xxx
–	आयकर भुगतान	(xxx)
+/–	असाधारण मदों का प्रभाव	xxx
	प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़	**xxx**

प्रदर्श 6.4 – *प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का प्रारूप (अप्रत्यक्ष विधि)*

जैसा कि पहले बताया जा चुका है कि प्रचालन क्रियाकलापों सें रोकड़ प्रवाह की गणना का प्रारंभिक बिंदु ''कराधान एवं असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ" है न कि लाभ व हानि विवरण में दर्शाया गया निवल लाभ । प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़ प्रवाह की गणना करते समय आय कर भुगतान को अंतिम मद के रूप में घटाया जाता है।

उदाहरण 2

उदाहरण 1 में दिए गए आँकड़ों का उपयोग करते हुए अप्रत्यक्ष विधि के द्वारा प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का परिकलन कीजिए।

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह

हल

	विवरण	राशि रु.
	कराधान एवं असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ (1)	42,000
	समायोजन के लिए–	
+	मूल्यह्रास	20,000
=	कार्यशील पूँजी बदलाव से पूर्व प्रचालन लाभ	62,000
–	व्यापारिक प्राप्यों में वृद्धि	(3,000)
–	रहतिया (स्टॉक) में वृद्धि	(5,000)
–	पूर्वदत्त बीमा में वृद्धि	(500)
–	व्यापारिक देयताओं में कमी	(2,000)
+	बकाया कर्मचारी हित व्ययों में वृद्धि	+1,000
=	प्रचालनों से जनित रोकड़	52,500
–	आयकर भुगतान	(11,000)
=	प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़	**41,500**

आप देखेंगे कि प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की राशि समान रहती है भले ही हम इसके परिकलन हेतु प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष विधि प्रयोग करें।

कार्यकारी टिप्पणी

कराधान तथा असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ को निम्नवत् निकाला गया–

(1) निवल लाभ	=	32,000 रु.
+ आयकर	=	10,000 रु.
= कराधान एवं असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ	=	42,000 रु.

उदाहरण 3

निम्न सूचनाओं के आधार पर प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह ज्ञात करें–

लाभ व हानि विवरण वर्षांत 31 मार्च 2017 को

विवरण	*नोट संख्या*	*राशि रु.*
i) प्रचालन से आगम		50,000
ii) अन्य आय	1	5,000
iii) कुल आगम (i+ii)		55,000
iv) व्यय		
उपभोग की गई सामग्री की लागत		15,000
कर्मचारी हित व्यय		10,000
ह्रास एवं अपलेखन व्यय	2	7,000
अन्य व्यय	3	21,000
		53,000
कराधान से पूर्व लाभ (iii-iv)		**2,000**

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

(i)	अन्य आय	=	मशीनरी के विक्रय से लाभ (रु. 2,000)+ आयकर वापसी (रु. 3,000)
		=	रु. 5,000
(ii)	ह्रास एवं परिशोधन व्यय	=	ह्रास (रु. 5,000) + ख्याति का अपलेखन (रु. 2,000)
		=	रु. 7,000
(iii)	अन्य व्यय	=	किराया(रु. 10,000)+ उपकरण के विक्रय पर हानि(रु. 3,000)+कराधान के लिए प्रावधान (रु. 8,000)
		=	रु. 21,000

अतिरिक्त जानकारी

	01 अप्रैल 2016	*31 मार्च 2017*
	रु.	रु.
कराधान हेतु प्रावधान	10,000	13,000
बकाया किराया	2,000	2,500
व्यापारिक देय	21,000	25,000
व्यापारिक प्राप्य	15,000	21,000
रहतिया (स्टॉक)	25,000	22,000

हल

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह

विवरण	**रु.**
कराधान एवं असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ	7,000
समायोजन के लिए–	
+ ह्रास	5,000
+ उपकरणों की बिक्री पर हानि	3,000
+ ख्याति का अपलेखन	2,000
– मशीनरी की बिक्री पर लाभ	(2,000)
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	15,000
– व्यापारिक प्राप्यों में वृद्धि	(6,000)
+ स्टॉक में कमी	3,000
+ व्यापारिक देय में वृद्धि	4,000
+ बकाया किराया में वृद्धि	500
प्रचालन से अर्जित रोकड़	16,500
आयकर भुगतान	(5,000)
आयकर वापसी	3,000
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़	**14,500**

© NCERT not to be republished

कार्यकारी टिप्पणी

1. कराधान एवं असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ = 2,000 रु. + 8,000 रु. – 3,000 रु =7,000 रु.
2. वर्ष के दौरान भुगतान किए गए आयकर की गणना निम्नानुसार की गई है।

कराधान खाता हेतु प्रावधान

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.स.*	*राशि (रु.)*	*विवरण*	*रो.पृ.स.*	*राशि (रु.)*
रोकड़ (वर्ष के दौरान भुगतान किया गया आय कर (शेष राशि)		5,000	शेष आ/ले		10,000
			लाभ व हानि विवरण		8,000
शेष आ/ला		13,000			
		18,000			**18,000**

उदाहरण 4

चार्ल्स लिमिटेड ने परिसंपत्तियों पर 20,000 रु. के ह्रास प्रभारित करने के पश्चात् तथा 30,000 रु. सामान्य सचंय में हस्तांतरण के बाद 1,00,000 रु. का लाभ अर्जित किया। 7,000 रु. से ख्याति को अपलिखित किया गया तथा मशीनरी के विक्रय पर 3,000 रु. का लाभ प्राप्त हुआ। आपके लिए उपलब्ध अन्य जानकारियाँ (चालू परिसंपत्तियों एवं चालू देनदारियों में परिवर्तन) हैं– व्यापारिक प्राप्यों 3,000 रु. की वृद्धि, व्यापारिक देय में 6,000 रु. की वृद्धि, पूर्वदत्त व्ययों में 200 रु. वृद्धि तथा बकाया व्ययों में 2,000 रु. की कमी दर्शाई गई। प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना करें।

हल

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह

विवरण	*(रु.)*
कराधान एवं असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ	1,30,000
गैर-रोकड़ एवं गैर-प्रचालन मदों हेतु समायोजन	
+ मूल्यह्रास	20,000
+ ख्याति का अपलेखन	7,000
– मशीनरी की बिक्री पर लाभ	(3,000)
कार्यशील पूँजी से पूर्व प्रचालन लाभ	1,54,000
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन हेतु समायोजन	
– व्यापारिक प्राप्यों में वृद्धि	(3,000)
+ व्यापारिक देय में वृद्धि	6,000
– पूर्वदत्त व्ययों में वृद्धि	(200)
– बकाया व्ययों में कमी	(2,000)
= प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़	1,54,800

© NCERT not to be republished

कार्यकारी टिप्पणी

कराधान एवं असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ की गणना–	रु.
निवल लाभ	1,00,000
+ सामान्य आरक्षित में हस्तातंरण	30,000
	1,30,000

स्वयं करें

लाभ व हानि विवरण खाता

वर्षांत 31 मार्च 2017 को

	विवरण	*नोट संख्या*	*राशियाँ (रु.)*
(i)	प्रचालन से आगम	1	40,00,000
(ii)	अन्य आय	2	21,00,000
(iii)	**कुल आगम (i+ii)**		**61,00,000**
(iv)	व्यय		
	उपभोग सामग्री की लागत	3	20,00,000
	तैयार माल के रहतिए में परिवर्तन	4	1,00,000
	ह्रास एव अपलेखन व्यय	5	3,80,000
	अन्य व्यय	6	20,40,000
	कुल व्यय		**45,20,000**
	कराधान से पूर्व लाभ (iii-iv)		15,80,000

टिप्पणी		*(रु.)*
1.	प्रचालन से रोकड़ आगम	8,00,000
	प्रचालन से उधार आगम	34,00,000
	घटाया – वापसी	(2,00,000)
	प्रचालन से निवल आगम	**40,00,000**
2.	व्यापारिक कमीशन	20,40,000
	आपूर्तिकत्ताओं से प्राप्त छूट	60,000
	अन्य आय	**21,00,000**
3.	उपभोग की गई सामग्री की लागत जिसका रोकड़ में भुगतान हुआ	4,00,000
	उधार में खरीदी गई उपभोग सामग्री की लागत	17,00,000
	घटाया वापसी	(1,00,000)
	उपभोग सामग्री की लागत (निवल)	**20,00,000**

© NCERT not to be republished

4. तैयार माल के रहतिए में परिवर्तन	=	आरंभिक रहतिया – अंतिम रहतिया
	=	रु. 2,00,000 – 1,00,000
	=	रु. 1,00,000
5. ह्रास एवं अपलेखन व्यय	=	ह्रास + अपलेखन व्यय
	=	रु. 3,80,000 + 0
	=	रु. 3,80,000
6. अन्य व्यय	=	10,20,000 (प्रशासानिक व्यय)
		+ 1,20,000 (ग्राहकों को दिया गया बट्टा)
		+ 1,00,000 (डूबत ऋण)
		+ 8,00,000 (कर के लिए प्रावधान)
	=	रु. 20,40,000

अतिरिक्त सूचनाएँ

	रु.	रु.
व्यापारिक प्राप्य	20,00,000	40,00,000
व्यापारिक देय	20,00,000	10,00,000
अन्य देय व्यय (प्रशासनिक)	10,000	20,000
पूर्वदत्त प्रशासनिक व्यय	20,000	10,000
बकाया व्यापारिक व्यय	20,000	40,000
अग्रिम व्यापरिक व्यय	40,000	20,000
कराधान के लिए प्रावधान	10,00,000	12,00,000

प्रचालन से रोकड़ प्रवाह की गणना करें। साथ ही कार्यकारी टिप्पणी स्पष्टत: दर्शाएँ।

2. निम्नलिखित सूचनाओं से प्रचालन से निवल रोकड़ प्रवाह परिकलित कीजिए–

विवरण	रु.
1,53,000 रु. के कर प्रावधान के पश्चात् प्रचालन लाभ	6,28,000
अकाल निपटान से बीमा प्राप्ति	1,00,000
चालू वर्ष के लिए प्रस्तावित लाभ	72,000
ह्रास	1,40,000
मशीनरी की बिक्री पर हानि	30,000
निवेश की बिक्री पर लाभ	20,000
निवेश पर प्राप्त लाभांश	6,000
चालू परिसंपत्तियों में गिरावट (रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियों के अतिरिक्त)	10,000
चालू देनदारियों में वृद्धि	1,51,000
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियों के अलावा चालू परिसंपत्तियों में वृद्धि	6,00,000
चालू देनदारियों में कमी	64,000
आयकर भुगतान	1,18,000
आयकर वापसी प्राप्ति	3,000

© NCERT not to be republished

स्वयं जाँचिए 2

1. नीचे दिए गए दो विकल्पों में एक को चुनिए और दिए गए कथनों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–
   (क) यदि वर्ष के दौरान अर्जित निवल लाभ 50,000 रु. है, प्रारंभिक व अंतिम देनदार में क्रमश: 10,000 रु. तथा 20,000 रु. हैं तब प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह ____________रु. के बराबर होगा (40,000/60,0000)
   (ख) यदि वर्ष के दौरान निवल लाभ 50,000 रु. है और प्राप्य विपत्रों की राशि वर्ष के दौरान 10,000 रु. घटी है तब प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह ___________रु. के बराबर होगा। (40,000रु./60,000 रु.)
   (ग) वर्ष के अंत में व्ययों का अग्रिम भुगतान किया गया है जिसे वर्ष में अर्जित लाभ के साथ ____________ जाता है (जोड़ा या घटाया)
   (घ) एक वर्ष के दौरान उपार्जित आय को निवल लाभ के साथ ___________ जाता है। (जोड़ा या घटाया)
   (च) प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह की गणना हेतु ख्याति का अपलेखन वर्ष के दौरान लाभ में __________ जाता है। (जोड़ा/घटाया)
   (छ) प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना के लिए संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान को वर्ष के दौरान अर्जित लाभ में __________ जाता है। (जोड़ा/घटाया)
2. प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ को संगणित करते समय यह दर्शाएँ कि क्या निम्न मदों को निवल लाभ के साथ जोड़ा या घटाया जाएगा। यदि मान्य नहीं है तो अमान्य लिखें।

विवरण	*व्यवहार*
(क) लेनदारों के मूल्य में वृद्धि	
(ख) एकस्व के मूल्य में वृद्धि	
(ग) पूर्वदत्त व्ययों में कमी	
(घ) पेशगी (अग्रिम) प्राप्त आय में कमी	
(च) स्टॉक के मूल्य में कमी	
(छ) अंश पूँजी में वृद्धि	
(ज) प्राप्य विपत्रों के मूल्य में वृद्धि	
(झ) बकाया व्ययों की राशि में वृद्धि	
(ट) ऋणपत्रों का अंशों में परिवर्तन	
(ठ) व्यापारिक देय के मूल्य में कमी	
(ड) व्यापारिक प्राप्यों के मूल्य में वृद्धि	
(ढ) उपार्जित आय की राशि में कमी	

© NCERT not to be republished

कई बार न तो निवल मूल्य की राशि विशेष रूप से दी गई होती है और न ही लाभ एवं हानि विवरण दिया गया होता है। ऐसी परिस्थितियों में, निवल लाभ की राशि को दो वर्षों के तुलन-पत्रों में लाभ व हानि विवरण की तुलना करके निकाला जा सकता है। दोनों के बीच अंतर को उस वर्ष के लिए लाभ माना जाता है, इसके बाद, इस वर्ष के दौरान कर प्रावधान की राशि के साथ समायोजित करके (दो वर्षों के तुलन-पत्रों की तुलना करके पता किया जाता है) कराधान से पूर्व निवल लाभ की गणना की जाती है। (देखें उदाहरण 7 एवं 8)

6.7 निवेश एवं वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना

निवेश एवं वित्तीय क्रियाकलापों से अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह की मदों की रूपरेखा पहले ही बनाई जा चुकी है। रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करते समय सकल नकद प्राप्तियाँ सकल नकद भुगतान तथा निवेश एवं वित्तीय क्रियाकलापों से अर्जित निवल रोकड़ प्रवाह के मुख्य शीर्षों को पृथक रूप से क्रमशः निवेश क्रियाकलापों में रोकड़ प्रवाह तथा वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह शीर्षक के अंर्तगत दर्शाया जाता है। निवेश एवं वित्तीय क्रियाकलापों से निवल रोकड़ प्रवाह की गणना उदाहरण 5 और 6 में दर्शाई गई है।

उदाहरण 5

वेलप्रिंट लि. ने निम्नलिखित जानकारी प्रदान की है–

	रु.
01 अप्रैल, 2016 को मशीनरी	50,000
31 मार्च, 2017 को मशीनरी	60,000
01 अप्रैल, 2016 को संचित ह्रास	25,000
31 मार्च, 2017 को संचित ह्रास	15,000

वर्ष के दौरान एक मशीन जिसका मूल्य 25,000 रु. था और जिस पर संचित ह्रास 15,000 रु. है, को 13,000 रु. पर बेचा गया।

उपर्युक्त जानकारी के आधार पर निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का परिकलन करें।

हल

निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	रु.
मशीनरी का विक्रय	13,000
मशीनरी का क्रय	(35,000)
निवेश क्रियाकलाप में उपर्युक्त निवल रोकड़	(22,000)

© NCERT not to be republished

कार्यकारी टिप्पणी

मशीनरी खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ सं.*	*राशि (रु.)*	*विवरण*	*रो.पृ सं.*	*राशि (रु.)*
शेष आ/ला		50,000	रोकड़ (मशीन की बिक्री)		13,000
लाभ व हानि विवरण (मशीन के विक्रय पर लाभ)		3,000	संचित ह्रास		15,000
रोकड़ (शेष राशि – नई मशीन का क्रय)		35,000	शेष आ/ले		60,000
		88,000			**88,000**

संचित मूल्यह्रास खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ सं.*	*राशि रु.*
मशीनरी		15,000	शेष आ/ला		25,000
शेष आ/ले		15,000	लाभ व हानि विवरण (वर्ष के दौरान ह्रास)		5,000
		30,000			**30,000**

उदाहरण 6

निम्नलिखित सूचना से वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का परिकलन करें–

	1 अप्रैल, 2016 रु.	31 मार्च, 2017 रु.
दीर्घकालिक ऋण वर्ष के दौरान कंपनी ने 1,00,000 रु. का ऋण चुकता किया	2,00,000	2,50,000

हल

वित्तीय क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह	रु.
दीर्घकालिक ऋणों से प्राप्तियाँ	1,50,000
दीर्घकालिक ऋण से की चुकौती (परिशोधन)	(1,00,000)
वित्तीय क्रियाकलापों से निवल रोकड़ अंतर प्रवाह (अंतर्वाह)	50,000

© NCERT not to be republished

कार्यकारी टिप्पणी

दीर्घकालिक ऋणखाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि*
		रु.			रु.
नकद (ऋण भुगतान)		1,00,000	शेष आ/ले		2,00,000
शेष आ/ले		2,50,000	रोकड़ (नया ऋण उगाहा गया)		1,50,000
		3,50,000			**3,50,000**

स्वयं करें

1. निम्नलिखित विवरणों से निवेशन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना करें–

	खरीद	*बिक्री*
	रु.	रु.
संयंत्र	4,40,000	50,000
निवेश	1,80,000	1,00,000
ख्याति	2,00,000	—
एकस्व	—	1,00,000

निवेश के रूप में धारित ऋण पत्रों पर प्राप्त ब्याज 60,000 रु.

निवेश के रूप में धारित अंशों पर प्राप्त लाभांश 10,000 रु.

निवेश के उद्देश्य से ज़मीन का एक भाग खरीदा गया और व्यावसायिक उपयोग हेतु 30,000 रु. किराए पर दिया गया।

2. निम्नलिखित जानकारी से निवेशन तथा वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का परिकलन करें।

विवरण	2016	2017
मशीन (पुस्तक मूल्य पर)	5,00,000	9,00,000
संचित ह्रास	3,00,000	4,50,000
समता अंश पूँजी	28,00,000	35,00,000
बैंक ऋण	12,50,000	7,50,000

वर्ष 2015 में 2,00,000 रु. की लागत वाली मशीन को 1,50,000, रु. के लाभ पर बेचा गया। वर्ष 2011 के दौरान मशीन पर प्रभारित संचित ह्रास 2,50,000 रु. था।

© NCERT not to be republished

6.8 रोकड़ प्रवाह विवरण का निर्माण

जैसा कि पहले बताया गया है कि रोकड़ प्रवाह विवरण एक उद्यम की एक लेखांकन अवधि के दौरान रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांकों की स्थिति में बदलावों के संदर्भ में जानकारी उपलब्ध कराता है। वे क्रियाकलाप जो परिवर्तन लाने में भागीदारी देते हैं उन्हें प्रचालन, निवेश तथा वित्तीय क्रियाकलाप के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। एक लेखांकन अवधि के दौरान तीन क्रियाकलापों से निवल रोकड़ प्रवाह को निकालने की विधियों को विस्तार से वर्णित किया गया है तथा प्रदर्श 6.2 में रोकड़ प्रवाह विवरण का एक संक्षिप्त प्रारूप भी बताया गया। हालाँकि, अंततः रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार करते समय अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह के पूर्ण विवरण इन्हीं शीर्ष के अंतर्गत है। निवल रोकड़ प्रवाह (अथवा उपयोग) की गणना, जैसा कि प्रदर्श 6.2 में दर्शाया गया है रोकड़ तथा रोकड़ तुल्यराशि में वृद्धि/कमी के रूप में की जाती है, जिसमें प्रारंभिक रोकड़ और रोकड़ तुल्यराशि को जोड़ा जाता है। अतः इस प्रकार रोकड़ और रोकड़ तुल्यराशि ज्ञात की जाती है। यह ज्ञात की गई राशि तुलन-पत्रों में दी गई कुल हस्तस्थ रोकड़ बैंकस्थ रोकड़ और रोकड़ तुल्यराशि (यदि कोई है तो) के समान होगी। (देखें उदाहरण 7 से 10 तक)। यहाँ एक अन्य बिंदु पर भी ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है, वह यह कि प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को जब अप्रत्यक्ष विधि द्वारा ज्ञात किया जाता है और यथावत रोकड़ प्रवाह विवरण में दर्शाया जाता है तब यह विवरण स्वतः ही अप्रत्यक्षत विधि रोकड़ प्रवाह विवरण कहलाता है। इसलिए, उदाहरण 7, 8 एवं 9 में तैयार किए गए रोकड़ प्रवाह विवरण इसी श्रेणी के अंतर्गत आते हैं ठीक इसी प्रकार से यदि रोकड़ प्रवाह विवरण की तैयारी के दौरान जब प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को प्रत्यक्ष विधि से निकाला जाता है तो इसे 'प्रत्यक्ष विधि रोकड़ प्रवाह विवरण' कहा जाएगा। उदाहरण 10 दोनों ही प्रकार के रोकड़ प्रवाह विवरण दर्शाता है। **हालाँकि जब तक यह स्पष्ट रूप से नहीं बताया जाता है कि रोकड़ प्रवाह विवरण किस विधि के प्रयोग से निकाला गया है तब बहुत संभव हो सकता है कि रोकड़ प्रवाह विवरण अप्रत्यक्ष विधि द्वारा तैयार किया गया हो जैसाकि अधिकतर कंपनियाँ इसे ही व्यवहार में लाती हैं।**

उदाहरण 7

निम्नलिखित जानकारी से पॉयोनियर लिमिटेड के लिए रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार कीजिए।

पायोनियर लिमिटेड का 31 मार्च 2017 का तुलन पत्र

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2017 रु.	31 मार्च 2016 रु.
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंशधारक निधि			
(क) अंश पूँजी	1	7,00,000	5,00,000
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष	2	3,50,000	2,00,000
(ii) गैर-चालू देयताएँ			
(क) दीघकालीन ऋण (बैंक ऋण)		50,000	1,00,000

(iii) चालू देयताएँ			
(क) व्यापारिक देय		45,000	50,000
(ख) अन्य चालू देयताएँ		7,000	5,000
(ग) अल्पकालीन प्रावधान	3	1,20,000	80,000
कुल		**12,72,000**	**9,35,000**
II. परिसंपत्तियाँ			
गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(i) स्थाई परिसंपत्तियाँ			
(क) मूर्त परिसंपत्तियाँ	4	5,00,000	5,00,000
(ख) अमूर्त परिसंपत्तियाँ	5	95,000	1,00,000
(ii) गैर-चालू निवेश		1,00,000	—
चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) रहतिया		1,30,000	50,000
(ख) व्यापारिक प्राप्य		1,20,000	80,000
(ग) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	6	3,27,000	2,05,000
कुल		**12,72,000**	**9,35,000**

खातों की टिप्पणियाँ

विवरण	31 मार्च 2016 रु.	31 मार्च 2017 रु.
1. समता अंश पूँजी	**7,00,000**	**5,00,000**
2. आरक्षित एव अधिशेष		
अधिशेष अर्थात् लाभ एवं हानि विवरण का शेष	**3,50,000**	**2,00,000**
3. अल्पकालीन प्रावधान		
प्रस्तावित लाभांश	70,000	50,000
कराधान के लिए प्रावधान	50,000	30,000
	1,20,000	**80,000**
4. स्थायी परिसंपत्तियाँ		
(i) मूर्त परिसंपत्तियाँ		
उपकरण	2,30,000	2,00,000
फ़र्नीचर	2,70,000	3,00,000
	5,00,000	**5,00,000**
5. अमूर्त परिसंपत्तियाँ		
एकस्व	**95,000**	**1,00,000**
6. रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		
(i) रोकड़	27,000	5,000
(ii) बैंक शेष	3,00,000	2,00,000
	3,27,000	**2,05,000**

© NCERT not to be republished

अतिरिक्त सूचनाएँ

वर्ष के दौरान 80,000 रु. मूल्य के उपकरण खरीदे गए। उपकरण की बिक्री पर हानि की राशि 5,000 रु. है। उपकरणों एवं फ़र्नीचर के लिए क्रमशः 15,000 रु. एवं 3,000 रु. मूल्यह्रास प्रदान किया गया।

हल

रोकड़ प्रवाह विवरण

	विवरण	रु.
I.	प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
	कर एवं असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ	2,70,000
	प्रावधान–	
	उपकरण पर मूल्यह्रास	15,000
	फ़र्नीचर पर मूल्यह्रास	30,000
	एकस्व का अपलेखन	5,000
	उपकरणों की बिक्री पर हानि	5,000
	कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	**3,25,000**
	– व्यापारिक देय में कमी	(5,000)
	+ बकाया किराए में वृद्धि	2,000
	– व्यापारिक प्राप्यों में वृद्धि	(40,000)
	– रहतिए में वृद्धि	(80,000)
	– प्रचालन क्रियाओं से अर्जित रोकड़	**2,02,000**
	(–) कर भुगतान	(30,000)
	(क) प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ अंतर्वाह	**1,72,000**
II.	निवेशन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
	उपकरणों का विक्रय	30,000
	नए उपकरणों का क्रय	(80,000)
	विनियोगों की खरीद	(1,00,000)
	(ख) निवेश क्रियाकलापों में प्रयुक्त रोकड़	**(1,50,000)**
III.	वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
	समता अंश पूँजी की निर्गम	2,00,000
	बैंक ऋण का शोधन	(50,000)
	लाभांश का भुगतान	(50,000)
	(ग) वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ अंतर्वाह	**1,00,000**
	रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक (क+ख+ग) में वृद्धि	1,22,000
	+ प्रारंभ में रोकड़ व रोकड़ तुल्यांक	2,05,000
	अंत में रोकड़ व रोकड़ तुल्यांक	**3,27,000**

© NCERT not to be republished

कार्यकारी टिप्पणी

उपकरण खाता

(1) *नाम* *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
शेष आ/ला		2,00,000	मूल्यह्रास (शेष राशि)		15,000
रोकड़		80,000	बैंक		30,000
			लाभ व हानि विवरण (विक्रय पर हानि)		5,000
			शेष आ/ले		2,30,000
		2,80,000			**2,80,000**

(2) वर्ष के दौरान एकस्व 5,000 रु. (अर्थात् 1,00,000 रु. – 95,000 रु.) अपलिखित हुए और फ़र्नीचर पर मूल्यह्रास 30,000. रु. (3,00,000 रु. – 2,70,000 रु.) है।

(3) यह माना गया कि वर्ष 2016.17 में 5,000 रु. लाभांश तथा कर के 30,000 रु. थे, जिन्हें वर्ष 2015-16 के दौरान चुकाया गया। इसी कारण वर्ष के दौरान प्रस्तावित लाभांश एवं कर का प्रावधान क्रमशः 70,000 रु. तथा 50,000 रु. है।

		रु.
(4)	अंत में लाभ व हानि	3,50,000
	(–) प्रारंभ में लाभ व हानि	(2,00,000)
	वर्ष के दौरान निवल लाभ	1,50,000
	+ वर्ष के दौरान कर हेतु प्रावधान	50,000
	+ प्रस्तावित लाभांश	70,000
	कराधान एवं असाधारण मदों से पहले निवल लाभ	2,70,000

उदाहरण 8

निम्नलिखित जानकारी से ज़ेरोक्स लिमिटेड के लिए रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए।

31 मार्च, 2015 को जेरोक्स लिमिटेड का तुलन-पत्र

विवरण	नोट संख्या	31, मार्च 2017 (रु.)	31, मार्च 2016 (रु.)
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंश धारक निधि			
(क) अंश पूँजी		15,00,000	10,00,000
(ख) आरक्षित एंव अधिशेष		7,50,000	6,00,000
(अधिशेष अर्थात् लाभ व हानि विवरण का शेष)			
(ii) गैर-चालू देयताएँ			
(क) दीर्घकालीन ऋण	1	1,00,000	2,00,000
(iii) चालु देयताएँ			
(क) व्यापारिक देय		1,00,000	1,10,000
(ख) अल्पकालीन प्रावधान		95,000	80,000
(कराधान के लिए प्रावधान)			
योग		**25,45,000**	**19,90,000**
II. परिसंपत्तियाँ			
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थाई परिसंपत्तियाँ			
(i) मूर्त परिसंपत्तियाँ	2	10,10,000	12,00,000
(ii) अमूर्त परिसंपत्तियाँ – ख्याति		1,80,000	2,00,000
(ख) गैर-चालू निवेश		6,00,000	—
(ii) चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) रहतिया		1,80,000	1,00,000
(ख) व्यापारिक प्राप्य		2,00,000	1,50,000
(ग) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	3	3,75,000	3,40,000
योग		**25,45,000**	**19,90,000**

© NCERT not to be republished

खातों की टिप्पणियाँ

विवरण	*31, मार्च 2017 रु.*	*31, मार्च 2016 रु.*
(i) दीर्घकालीन ऋण		
(क) ऋणपत्र	—	2,00,000
(ख) बैंक ऋण	1,00,000	—
	1,00,000	**2,00,000**
(ii) मूर्त परिसंपत्तियाँ		
(क) भूमि एवं भवन	6,50,000	8,00,000
(ख) संयत्र एवं मशीनरी	3,60,000	4,00,000
	10,10,000	**12,00,000**
(iii) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		
(क) हस्तस्थ रोकड़	70,000	50,000
(ख) बैंक शेष	3,05,000	2,90,000
	3,75,000	**3,40,000**

अतिरिक्त जानकारी

1. वर्ष के दौरान रु. 1,50,000 का लाभांश प्रस्तावित एवं चुकता किया गया।
2. आयकर चुकाया गया जिसमें रु. 15,000 लाभांश कर की राशि शामिल थी।
3. रु. 1,50,000 के (पुस्तक मूल्य के) भूमि एवं भवन को 10% लाभ पर बेचा गया है।
4. संयंत्र व मशीनरी पर ह्रास की दर 10% है।

हल

रोकड़ प्रवाह विवरण

विवरण	*रु.*
I. **प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह**	
कराधान एवं असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ समायोजन हेतु	3,95,000
समायोजन	
+ ह्रास	40,000
+ ख्याति का अपलेखन	20,000
– भूमि की बिक्री पर लाभ	(15,000)
= कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	4,40,000
– व्यापारिक देय में कमी	(10,000)
– व्यापारिक प्राप्यों में वृद्धि	(50,000)

© NCERT not to be republished

	– रहतिए में वृद्धि	(80,000)
	= प्रचालनों से अर्जित रोकड़	3,00,000
	– आयकर का भुगतान (1)	(65,000)
	(क) प्रचालन से रोकड़ अंतर्वाह	2,35,000
II.	**निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह**	
	भूमि व भवन बिक्री से प्राप्तियाँ	1,65,000
	निवेश की खरीद	(6,00,000)
	(ख) निवेश क्रियाकलापों में प्रयुक्त रोकड़	(4,35,000)
III.	**वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह**	
	समता अंश पूँजी का निर्गमन	5,00,000
	ऋण-पत्रों का मोचन	(2,00,000)
	बैंक ऋण से प्राप्त राशि	1,00,000
	लाभांश का भुगतान	(1,50,000)
	लाभांश कर का भुगतान	(15,000)
	(ग) वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	2,35,000
	रोकड़ व रोकड़ तुल्यराशियों (क+ख+ग) में निवल वृद्धि	35,000
	+ प्रारंभ में रोकड़ व रोकड़ तुल्यराशियाँ	3,40,000
	अंत में रोकड़ व रोकड़ तुल्यराशियाँ	3,75,000

कार्यकारी टिप्पणियाँ

	रु.
(1) वर्ष के दौरान चुकता कुल कर	80,0000
(–) लाभांश कर का भुगतान (दिया गया)	(15,000)
प्रचालन हेतु आयकर का भुगतान	65,000

(2) कर एवं लाभांश के पश्चात् वर्ष के दौरान अर्जित निवल लाभ
= 7,50,000 रु. – 6,00,000 रु. = 1,50,000 रु.

(3) कर से पूर्व निवल लाभ
= कर एवं लाभांश के पश्चात् वर्ष के दौरान अर्जित निवल लाभ + कर हेतु प्रावधान + प्रस्तावित लाभांश
= 1,50,000 रु. + 95,000 रु. (कर हेतु प्रावधान खाता देखिए) + 1,50,000 रु.
= 3,95,000 रु.

समता अंश पूँजी खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
शेष आ/ले		15,00,000	शेष आ/ला		10,00,000
			रोकड़ (नई पूँजी निर्गमित)		5,00,000
		15,00,000			**15,00,000**

ऋणपत्र खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
रोकड़ (मोचन)		20,000	शेष आ/ला		20,000
		20,000			**20,000**

बैंक खाता

नाम जमा

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि*
शेष आ/ले		1,00,000	रोकड़		1,00,000
		1,00,000			**1,00,000**

कर हेतु प्रावधान

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
रोकड़ (कर का भुगतान जिसमें लाभांश के 15,000 रु. शामिल हैं)		80,000	शेष आ/ला		80,000
शेष आ/ले		95,000	लाभ व हानि विवरण (वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान)		95,000
		1,75,000			**1,75,000**

भूमि व भवन खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
शेष आ/ला		8,00,000	रोकड़		1,65,000
लाभ व हानि विवरण (विक्रय पर लाभ)		15,000	शेष आ/ले		6,50,000
		8,15,000			**8,15,000**

© NCERT not to be republished

प्रस्तावित लाभांश खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
रोकड़		1,50,000	अधिशेष		1,50,000
		1,50,000			**1,50,000**

संयंत्र व मशीनरी खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
शेष आ/ला		4,00,000	ह्रास		40,000
			शेष आ/ले		3,60,000
		4,00,000			**4,00,000**

उदाहरण 9

निम्नलिखित विवरण ओसवाल मिल लिमिटेड से संबंधित हैं। वर्ष की समाप्ति हेतु 31 मार्च, 2015 पर रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करें।

तुलन-पत्र 31 मार्च 2016 व 2017 को **(रु. लाख में)**

विवरण	*नोट संख्या*	*31, मार्च 2017 रु.*	*31, मार्च 2016 रु.*
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंशधारक निधि			
(क) अंश पूँजी	1	1,300	1,400
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष (अधिशेष)		4,700	4,000
(ii) चालू देयताएँ			
(क) अल्पकालीन ऋण		200	600
(ख) व्यापारिक देय		500	400
योग		**6,700**	**6,400**
II. परिसंपत्तियाँ			
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थाई परिसंपत्तियाँ	2	2,400	2,400
(ख) गैर-चालू निवेश		300	200

(ii) चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) रहतिया		1,200	1,300
(ख) व्यापारिक प्राप्य		800	900
(ग) रोकड़ एव रोकड़ तुल्यांक		1,200	800
(घ) अल्पकालीन ऋण एवं अग्रिम		800	800
योग		6,700	6,400

खातों की टिप्पणियाँ

(रु. लाख में)

विवरण	*31, मार्च 2017 रु*	*31, मार्च 2016 रु*
1. अंश पूँजी		
समता अंश पूँजी	1,000	1,000
10% अधिमानी अंश पूँजी	300	400
	1,300	**1,400**
2. स्थायी परिसंपत्तियाँ		
(क) मूर्त परिसंपत्तियाँ	3,600	3,400
घटाया– संचित ह्रास	(1,200)	(1,000)
	2,400	2,400

31 मार्च 2015 को लाभ व हानि विवरण

विवरण	*नोट संख्या*	*31, मार्च 2017 रु*	–
I. प्रचालन से आगम		2,800	–
II. अन्य आय (लाभांश से आय)		1,000	–
III. कुल आगम		3,800	–
IV. व्यय			
उपभोग किए गए माल की लागत		400	–
कर्मचारी हित व्यय		200	–
वित्तीय लागत (ब्याज का भुगतान)		200	–
ह्रास		200	–
भूकंप हानि		1,100	–
		2,100	
V. कराधान से पूर्व लाभ		1,700	–
VI. कर भुगतान		(1,000)	–
कराधान के पश्चात् लाभ		700	–

© NCERT not to be republished

अतिरिक्त सुचनाएँ

1 कंपनी द्वारा चालू वित्तीय वर्ष के दौरान लाभांश का भुगतान नहीं किया गया।

2 स्थिर परिसंपत्तियों में से रु. 1,000 लाख के मूल्य की भूमि पर कोई संचित ह्रास नहीं है, उसे बिना लाभ या हानि में बेचा गया।

हल

रोकड़ प्रवाह विवरण **(रु. लाख में)**

विवरण	*रु.*
प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
कर व असाधारण मदें से पूर्व निवल लाभ (1)	2,800
समायोजन–	
+ ब्याज का भुगतान	200
+ मूल्यह्रास	200
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	3,200
समायोजन–	
+ रहतिया में कमी	100
+ व्यापारिक प्राप्यों में कमी	100
+ व्यापारिक देय में वृद्धि	100
प्रचालनों से अर्जित रोकड़	3,500
(–) आयकर का भुगतान	(1,000)
असाधारण मदों से पूर्व नकद प्रवाह	2,500
(–) भूकंप से हानि	(1,100)
(क) प्रचालन क्रियाकलाप से निवल रोकड़	1,400
निवेशन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
भूमि की बिक्री	1,000
स्थिर परिसंपत्तियों का क्रय (2)	(1,200)
विनियोगों का क्रय	(100)
(ख) निवेशन क्रियाकलापो से निवल रोकड़ प्रवाह	(300)
वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
अल्पकालीन ऋण का भुगतान	(400)
ब्याज का भुगतान	(200)
10% अधिमानी पूँजी का मोचन	(100)
(ग) वित्तीय क्रियाकलापों में प्रयुक्त निवल रोकड़	(700)
वर्ष के दौरान रोकड़ एवं तुल्यराशियों में निवल वृद्धि (क + ख + ग)	400
+ वर्ष के प्रारंभ में रोकड़ व रोकड़ तुल्यराशियाँ	800
= अंत में रोकड़ व रोकड़ तुल्यराशियाँ	**1,200**

कार्यकारी टिप्पणी

(1) कर व असाधारण मदों से पूर्व लाभ = 700 रु. + 1,100 रु. + 1,000 रु. = 2,800 रु.

स्थिर परिसंपत्ति खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु.	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु.
शेष आ/ला		3,400	रोकड़ (भूमि का विक्रय)		1,000
रोकड़ (स्थिर परिसंपत्तियों का क्रय)		1,200	शेष आ/ले		3,600
		4,600			**4,600**

संचित ह्रास खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि* (रु.)	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* (रु.)
शेष आ/ले		1,200	शेष आ/ला		1,000
			लाभ व हानि विवरण		200
		1,200			**1,200**

उदाहरण 10

निम्नलिखित जानकारी से बंजारा लिमिटेड का रोकड़ प्रवाह विवरण बनाइए।

(राशियाँ '000 रु. में)

विवरण	नोट संख्या	31, मार्च 2017 (रु.)	31, मार्च, 2016 (रु.)
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंश धारक निधि			
(क) अंश पूँजी		1,500	1,250
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष		3,410	1,380
(ii) गैर-चालू देयताएँ			
(क) दीर्घकालीन ऋण		1,110	1,040
(iii) चालू देयताएँ			

© NCERT not to be republished

(क) व्यापारिक देय		150	1890
(ख) अन्य चालू देयताएँ	1	630	1,100
योग		**6,800**	**6,660**
II. परिसम्पत्तियाँ			
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थाई परिसंपत्तियाँ	2	730	850
(ख) गैर-चालू निवेश		2,500	2,500
(ii) चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) चालू निवेश (विपणन योग्य)		670	135
(ख) रहतिया		900	1950
(ग) व्यापारिक प्राप्य		1,700	1,200
(घ) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		200	25
(ङ) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ (प्राप्य ब्याज)		100	–
योग		**6,800**	**6,660**

खातों की टिप्पणियाँ

विवरण	*31, मार्च 2017 (रु.)*	*31, मार्च 2016 (रु.)*
I. अन्य चालू देयताएँ		
(i) ब्याज देय	230	100
(ii) देय आयकर	400	1000
	630	**1,100**
II. स्थाई परिसंपत्तियाँ		
(i) मूर्त परिसंपत्तियाँ	2,180	1,910
घटाया– संचित ह्रास	(1,450)	(1,060)
	730	**850**

© NCERT not to be republished

वर्षान्त 31 मार्च, 2017 लाभ व हानि विवरण

विवरण	नोट संख्या.	31, मार्च 2016 रु.
I. प्रचालन से आगम	1	30,650
II. अन्य आय		640
III. कुल आगम		**31,290**
IV. व्यय		
उपभोग की गई सामग्री की लागत		26,000
वित्तीय लागत (ब्याज व्यय)		400
ह्रास		450
अन्य व्यय		910
(प्रशासनिक एवं विक्रय व्यय)		
कुल व्यय		**27,760**
कर से पूर्व लाभ		3,530
घटाया: कर		(300)
कर के पश्चात् लाभ		**3,230**

खातों की टिप्पणी

अन्य आय– वर्ष 2016-17 के दौरान (,000 रु. में)

विवरण	रु.
(i) ब्याज आय	300
(ii) लाभांश आय	200
(iii) भूकंप आपदा निपटान से बीमा प्राप्तियाँ	140
	640

अतिरिक्त जानकारी (रु. '000)

(i) 250 रु. की राशि की अंश पूँजी निर्गमित की गई और 250 रु. की एक अतिरिक्त राशि दीर्घ-कालिक ऋण उठाई गई।

(ii) ब्याज व्यय 400 रु. था जिसमें 170 रु. को अवधि के दौरान चुकाया गया। पूर्व अवधि से संबंधित ब्याज के 100 रु. भी इस अवधि के दौरान चुकाए गए।

(iii) लाभांश के 1,200 रु. चुकाए गए।

(iv) लाभांश की प्राप्ति पर स्रोत पर कर कटौती की गई जो 40 रु. थी (वर्ष के लिए कर 300 रु. कर खर्चों में जोड़ा गया)।

(v) अवधि के दौरान उद्यम में 350 रु. की स्थायी परिसंपत्ति प्राप्त की। इसका रोकड़ भुगतान किया गया।

(vi) संयत्र की मूल लागत 80 रु. थी और संचित मूल्यह्रास 60 रु. था, इसे 20 रु. में बेचा गया

(vii) व्यापारिक प्राप्यों तथा व्यापारिक देय के अंतर्गत केवल उधार बिक्री एवं उधार खरीद शामिल है।

हल

रोकड़ प्रवाह विवरण
प्रत्यक्ष विधि

(रु. '000)

विवरण	रु.	रु.
I प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		
उपभोक्ताओं से रोकड़ प्राप्ति	30,150	
अपूर्तिकत्ताओं व कर्मचारियों को नकद भुगतान	(27,600)	
प्रचालन से अर्जित रोकड़	2,550	
आयकर का भुगतान	(860)	
असाधारण मदों से पूर्व रोकड़ प्रवाह	1,690	
भूकंप आपदा निपटान से प्राप्तियाँ	140	
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़		1,830
II निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		
स्थाई परिसंपत्तियों का क्रय	(350)	
उपकरणों के विक्रय से प्राप्ति	20	
ब्याज प्राप्ति	200	
लाभांश प्राप्ति	160	
निवेशन क्रियाकलापों से निवल रोकड़		30
III वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		
अंश पूँजी के निर्गम से प्राप्ति	250	
दीर्घकालिक ऋणों से प्राप्ति	250	
दीर्घकालिक ऋणों की पुनर्भुगतान	(180)	
ब्याज प्रदत्त	(270)	
लाभांश प्रदत्त	(1,200)	
वित्तिय क्रियाकलापों में प्रयुक्त रोकड़		(1,150)
IV रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक में निवल वृद्धि		710
अवधि के प्रारंभ में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		160
अवधि के अंत में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		870

रोकड़ प्रवाह विवरण
(अप्रत्यक्ष विधि)

(रु.'000)

विवरण	रु.
I प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
कराधान तथा असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ	3,390
समायोजन–	
+ ह्रास	450
– ब्याज आय	(300)
– लाभांश आय	(200)
+ ब्याज व्यय	400
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	3,740
व्यापारिक प्राप्यों में वृद्धि	(500)
रहतिए में कमी	1,050
व्यापारिक देय में कमी	(1,740)
प्रचालन से अर्जित रोकड़	2,550
आयकर का भुगतान	(860)
असाधारण मदों से पूर्व रोकड़ प्रवाह	1,690
भूकंप आपदा से निपटान से प्राप्तियाँ	140
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़	1,830
II निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
स्थिर परिसंपत्तियों का क्रय	(350)
उपकरणों की बिक्री से प्राप्तियाँ	20
ब्याज प्राप्ति	200
लाभांश प्राप्ति (टी.डी.एस. सहित)	160
निवेश क्रियाकलापों से निवल रोकड़	30
III वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
निर्गमित अंश पूँजी से प्राप्तियाँ	250
दीर्घकालिक ऋणों से प्राप्तियाँ	250
दीर्घकालिक ऋणों की चुकौती (शोधन)	(180)
ब्याज का भुगतान	(270)
लाभांश का भुगतान	(1,200)
वित्तीय क्रियाकलापों से निवल रोकड़	(1,150)
IV रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक में निवल वृद्धि	710
अवधि के प्रारंभ में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	160
अवधि के अंत में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	870

© NCERT not to be republished

कार्यकारी टिप्पणियाँ

1. *रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक*

रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांकों के अंतर्गत हस्तस्थ रोकड़ एवं बैंक शेष तथा बाज़ार मुद्रा प्रपत्र समाहित होते हैं। रोकड़ प्रवाह विवरण में निहित रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांकों में निम्नलिखित तुलन पत्र राशियाँ संघटित होती हैं।

		(रु. '000)
	2014	2013
	रु.	रु.
हस्तस्थ रोकड़ एवं बैंक शेष	200	25
अल्पकालिक निवेश	670	135
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	870	160
2. ग्राहकों से प्राप्त रोकड़ प्राप्तियाँ		
बिक्री		30,650
जोड़ा– वर्ष के प्रारंभ में व्यापारिक प्राप्य		1,200
		31,850
घटाया– वर्ष के अंत में व्यापारिक प्राप्य		(1,700)
		30,150
3. पूर्तिकारों एवं कर्मचारियों को रोकड़ भुगतान		
प्रचालन से आगम की लागत		26,000
प्रशासनिक एवं विक्रय व्यय		910
		26,910
जोड़ा– वर्ष के प्रारंभ में व्यापारिक देय	1,890	
वर्ष के अंत में रहतिया	900	2,790
		29,700
घटाया– वर्ष के अंत में व्यापारिक देय	150	
वर्ष के प्रारंभ में रहतिया	1,950	(2,100)
		27,600
4. *आयकर का भुगतान (लाभांश प्राप्ति से टी.डी.एस. सहित)*		
वर्ष के लिए आयकर व्यय		
(लाभांश प्राप्त से टी.डी.एस. सहित)		300
जोड़ा – वर्ष के प्रारंभ में देय आयकर		1,000
		1,300
घटाया – वर्ष के अंत में देय आयकर		(400)
		900

© NCERT not to be republished

900 रु. में से प्राप्त लाभांश पर टी. डी. एस. (जो कि 40 रु. है) निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह में सम्मिलित है और 860 रु. की शेष राशि प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह में सम्मिलित है।

5. दीर्घकालिक ऋणों की चुकौती (शोधन)

वर्ष के प्रारंभ में दीर्घकालिक ऋण	1,040
जोड़ा – वर्ष के दौरान लिए गए दीर्घकालिक ऋण	250
	1,290
घटाया – वर्ष के अंत में दीर्घकालिक ऋण	(1,110)
	180

6. *ब्याज का भुगतान*

वर्ष के लिए ब्याज व्यय	400
जोड़ा– वर्ष के प्रारंभ में देय ब्याज	100
	500
घटाया– वर्ष के अंत में देय ब्याज	(230)
	270

इस अध्याय में प्रयुक्त शब्द

1. रोकड़
2. रोकड़/तुल्यांक
3. रोकड़ अंतर्वाह
4. रोकड़ बाहिर्वाह
5. गैर-रोकड़ मद
6. रोकड़ प्रवाह विवरण
7. प्रचालन क्रियाकलाप
8. निवेश क्रियाकलाप
9. वित्तीय क्रियाकलाप
10. लेखा मानक-3
11. असाधारण मदें

सारांश

रोकड़ प्रवाह विवरण – रोकड़ प्रवाह विवरण एक उद्यम की वित्तीय स्थिति से तरलता को अभिनिश्चित करने में सहायक है। *दि इंस्टीट्यूट ऑफ़ चार्टेड एकाउंटेंट्स एसोसिएशन* के द्वारा जारी लेखांकन मानक 3 के अनुसार भारतीय कंपनियों को रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करना अनिवार्य होता है। रोकड़ प्रवाह को प्रचालन, निवेशन तथा वित्तीय क्रियाकलापों के प्रवाह के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। यह विवरण एक कंपनी द्वारा जनित रोकड़ प्रवाह की राशि एवं अभिनिश्चयात्मकता को सुरक्षित करता है।

© NCERT not to be republished

अभ्यास के लिए प्रश्न

क. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. एक रोकड़ प्रवाह विवरण क्या है?
2. जब रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कर रहे हों तो विभिन्न क्रियाकलापों को (संशोधित ले. मा. के अनुसार) कैसे वर्गीकृत किया जाता है?
3. रोकड़ प्रवाह विवरण के उपयोगों की व्याख्या कीजिए?
4. एक रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार करने के उद्देश्य क्या हैं?
5. इन शब्दों का अर्थ बताइए – रोकड़ तुल्यांक, रोकड़ प्रवाह।
6. अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग करते हुए प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का एक प्रारूप तैयार करें?
7. यह स्पष्ट करें कि निम्न में से प्रत्येक प्रकार के उद्यमों के लिए प्रचालन क्रियाकलाप में क्या संघटित होगा –
   (i) होटल
   (ii) फ़िल्म निर्माण कंपनी
   (iii) वित्तीय उद्यम
   (iv) मीडिया उद्यम
   (v) स्टील निर्माण इकाई
   (vi) सॉफ़्टवेयर विकास व्यवसाय इकाई
8. "एक उद्यम की प्रकृति/प्रकार उसे पूर्णत: उस श्रेणी में परिवर्तित कर सकता है जिसमें कि एक विशिष्ट क्रियाकलाप वर्गीकृत हो सकती है" क्या आप इससे सहमत हैं? अपने उत्तर का वर्णन कीजिए।

ख. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने की प्रक्रिया का वर्णन करें।
2. प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को अभिलिखित कराने हेतु "अप्रत्यक्ष" विधि का वर्णन करें।
3. निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह की व्याख्या करें।
4. वित्तीय क्रियाकलापों से प्रमुख रोकड़ अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह की व्याख्या करें।

संख्यात्मक प्रश्न

1. 31 मार्च, 2017 को आनंद लिमिटेड की निवल आय 5,00,000 रु. थी। वर्ष के दौरान ह्रास 2,00,000 रु. था। साथ ही परिसंपत्तियाँ बेचने पर 50,000 रु का लाभ हुआ जिसे लाभ व हानि विवरण में हस्तांतरित किया गया। वर्ष के दौरान व्यापारिक प्राप्यों में 40,000 रु. की वृद्धि हुई और व्यापारिक देय में रु. 60,000 की वृद्धि हुई। अप्रत्यक्ष विधि के द्वारा प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को परिकलित कीजिए।
   (**उत्तर** – 6,70,000 रु.)

© NCERT not to be republished

2. नीचे दी गई जानकारी से आप रहतिए के लिए रोकड़ भुगतान की गणना कीजिए –

विवरण	रु.
प्रारंभ में रहतिया	40,000
उधार क्रय	1,60,000
अंत में रहतिया	38,000
प्रारंभ में व्यापारिक देय	14,000
अंत में व्यापारिक देय	14,500

[**उत्तर** – 1,59,500 रु.]

3. नीचे दिए गए प्रत्येक लेनदेन के लिए रोकड़ प्रवाह परिकलित कीजिए तथा रोकड़ प्रवाह की प्रकृति बताइए जैसे कि प्रचालन, निवेश व वित्तीय

(अ) 2,50,000 रु. में मशीनरी को 20% चेक देकर प्राप्त किया गया और शेष देय हेतु बॉण्ड जारी किया गया।

(ब) इन्फोर्माटेक से प्राप्त अंश हेतु 2,50,000 रु. चुकता किया गया और अधिग्रहण के बाद 50,000 रु. का लाभांश प्राप्त हुआ।

(स) एक मशीन की मूल लागत 2,00,000 रु. थी जिसे 1,60,000 रु. की संचित मूल्यह्रास के साथ 60,000 रु. में बेचा गया।

[**उत्तर** – 50,000 रु. निवेश क्रियाकलाप (बाहिर्वाह); 2,00,000 रु. निवेश क्रियाकलाप (बाहिर्वाह); 60,000 रु. निवेश क्रियाकलाप (अंतर्वाह)]

4. यमुना लिमिटेड का लाभ व हानि विवरण निम्नलिखित है।

यमुना लिमिटेड का लाभ व हानि विवरण
वर्षांत 31 मार्च 2017 को

	विवरण	नोट संख्या	राशि (रु.)
(i)	प्रचालन से आगम		10,00,000
(ii)	व्यय		
	उपभोग की गई सामग्री की लागत	1	50,000
	व्यापारिक रहतिए का क्रय		5,00,000
	अन्य व्यय	2	3,00,000
कुल व्यय			**8,50,000**
(iii)	कर से पूर्व लाभ (i-ii)		1,50,000

अतिरिक्त सूचना

(i) वर्ष के दौरान व्यापारिक प्राप्यों में 30,000 रु. की कमी।

(ii) वर्ष के दौरान पूर्ववत्त व्ययों में 5,000 रु. की वृद्धि।

(iii) वर्ष के दौरान व्यापारिक देय में 15,000 रु. की वृद्धि।

© NCERT not to be republished

(iv) वर्ष के दौरान 3,000 रु. के बकाया व्ययों में वृद्धि।

(v) अन्य व्यय में ह्रास 25,000 रु. सम्मिलित है।

अप्रत्यक्ष विधि के द्वारा 31 मार्च, 2017 वर्ष समाप्ति के लिए प्रचालन से उपलब्ध निवल रोकड़ परिकलित कीजिए।

[**उत्तर** – प्रचालन से उपलब्ध रोकड़ 2,18,000 रु.]

5. निम्नलिखित आँकड़ों से प्रचालन से रोकड़ परिकलित कीजिए।

(i) वर्ष 2016-17 के लिए मूल्यह्रास के लिए 2,000 रु. के पश्चात् लाभ की राशि 10,000 रु. है।

(ii) 31 मार्च, 2016 व 2017 पर वर्ष समाप्ति के लिए व्यवसाय की चालू परिसंपत्तियाँ और चालू देयताएँ निम्नवत् हैं–

	31 मार्च 2016 रु.	*31 मार्च 2017 रु.*
व्यापारिक प्राप्य	14,000	15,000
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	1,000	1,200
व्यापारिक देय	13,000	15,000
रहतिया	5,000	8,000
अन्य चालू परिसम्पत्तियाँ	10,000	12,000
बकाया व्यय	1,000	1,500
पूर्वदत्त व्यय	2,000	1,000
उपार्जित आय	3,000	4,000
अग्रिम (पेशगी) आय प्राप्त	2,000	1,000

[**उत्तर** – 7,700 रु. प्रचालनों से रोकड़]

6. निम्नलिखित विवरण भारत गैस लिमिटेड से हैं। निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह परिकलित कीजिए। साथ ही खाता बही तैयार करते हुए स्पष्ट कार्यकारी टिप्पणी दें।

31 मार्च 2016 और 31 मार्च 2017........... को भारत गैस लिमिटेड का तुलन पत्र

विवरण	*नोट संख्या*	*2017 के अंत में राशियाँ (रु.)*	*2016 के अंत में राशियाँ(रु.)*
I. परिसंपत्तियाँ			
1. गैर–चालू परिसंपत्तियाँ			
(i) स्थायी परिसंपत्तियाँ			
(क) मूर्त परिसंपत्तियाँ	1	12,40,000	10,20,000
(ख) अमूर्त परिसंपत्तियाँ	2	4,60,000	3,80,000
(ii) गैर–चालू निवेश	3	3,60,000	2,60,000

टिप्पणी

1. मूर्त परिसंपत्तियाँ = मशीनरी
2. अमूर्त परिसंपत्तियाँ = एकस्व

खातों की टिप्पणियाँ

	चालू वर्ष की राशियाँ (रु.)	गत् वर्ष की राशियाँ (रु.)
1. मूर्त परिसंपत्तियाँ		
मशीनरी	**12,40,000**	**10,20,000**
2. अमूर्त परिसंपत्तियाँ		
ख्याति	3,00,000	1,00,000
एकस्व	1,60,000	2,80,000
	4,60,000	**3,80,000**
3. गैर-चालू निवेश		
10% दीर्घकालीन निवेश	1,60,000	60,000
भूमि में निवेश	1,00,000	1,00,000
एमैरटैक्स लिमिटेड के अंश	1,00,000	1,00,000
	3,60,000	**2,60,000**

अतिरिक्त जानकारी

(अ) 40,000 रु. के एकस्व को अपलिखित किया गया और कुछ एकस्व 20,000 रु. के लाभ पर बेचा गया।

(ब) 1,40,000 रु. लागत की एक मशीन (जिसमें ह्रास 60,000 रु. दिया गया) को 50,000 रु. में बेचा गया। वर्ष के दौरान ह्रास 1,40,000 रु. प्रभारित किया गया।

(स) 31 मार्च, 2016 को 1,80,000 रु. के 10% निवेश खरीदे गए और कुछ निवेशों को 20,000 रु. के लाभ पर बेचा गया। निवेशों पर 31 मार्च, 2017 को ब्याज प्राप्त किया गया।

(द) अंशों पर एमैरटैक्स लिमिटेड ने 10% की दर से लाभांश प्रदान किया।

(य) निवेश के लिए एक भूखंड का क्रय किया और उसे व्यावसायिक कार्य के उद्देश्य के लिए किराए पर देकर किराए के 30,000 रु. प्राप्त किए।

[**उत्तर**- 5,24,000 रु.]

© NCERT not to be republished

7. निम्नलिखित विवरण मोहन लिमिटेड से हैं। वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को परिकलित करें–

31 मार्च 2016 एवं 31 मार्च 2017 को मोहन लिमिटेड का तुलन-पत्र यथानुसार है

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2017 (रु.)*	*31 मार्च 2016 (रु.)*
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंशधारक निधि			
(क) समता अंश पूँजी		3,00,000	2,00,000
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष		2,00,000	1,60,000
(ii) गैर-चालू देयताएँ			
(क) दीर्घकालीन ऋण	1	80,000	1,00,000
(iii) चालू देयताएँ			
(क) व्यापारिक देय		1,20,000	1,40,000
(ख) अल्पकालीन प्रावधान	2	70,000	60,000
योग		**7,70,000**	**6,60,000**
II. परिसंपत्तियाँ			
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थाई परिसंपत्तियाँ	3	5,00,000	3,20,000
(i) चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) रहतिया		1,50,000	1,30,000
(ख) व्यापारिक प्राप्य	4	90,000	1,20,000
(ग) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	5	30,000	90,000
योग		**7,70,000**	**6,60,000**

खातों की टिप्पणियाँ

विवरण	*31 मार्च,* 2017 (रु.)	*31 मार्च,* 2016 (रु.)
1. दीर्घकालीन ऋण		
बैंक ऋण	**80,000**	**1,00,000**
2. अल्पकालीन प्रावधान		
प्रस्तावित लाभांश	**70,000**	**60,000**
3. स्थाई परिसंपत्तियाँ	6,00,000	4,00,000
घटाया – संचित ह्रास	1,00,000	80,000
(निवल) स्थाई परिसंपत्तियाँ	**5,00,000**	**3,20,000**
4. व्यापारिक प्राप्य		
देनदार	60,000	1,00,000
प्राप्य विपत्र	30,000	20,000
	90,000	**1,20,000**
5. रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		
बैंक	**30,000**	**90,000**

© NCERT not to be republished

अतिरिक्त जानकारी

मशीन की लागत 80,000 रु. है तथा उस पर संचित ह्रास 50,000 रु. था और (वह 20,000 रु. में बेची गई।)

[**उत्तर –** प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह 1,80,000 रु.

निवेश क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह (2,60,000) रु.

वित्तीय क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह 20,000 रु.

8. टाइगर सूपर स्टील लिमिटेड के निम्नलिखित तुलन-पत्र से रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए।

31 मार्च 2016 और 31 मार्च 2017 को टाइगर सूपर स्टील लिमिटेड का तुलन-पत्र

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2017 (रु.)	31 मार्च 2016 (रु.)
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंशधारियों की निधि			
(क) अंश पूँजी	1	1,40,000	1,20,000
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष	2	22,800	15,200
(ii) चालू देयताएँ			
(क) व्यापारिक देय	3	21,200	14,000
(ख) अन्य चालू देयताएँ	4	2,400	3,200
(ग) अल्पकालीन प्रावधान	5	28,400	22,400
योग		**2,14,800**	**1,74,800**
II. परिसम्पत्तियाँ			
(i) गैर चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थायी परिसंपत्तियाँ			
मूर्त परिसंपत्तियाँ	6	96,400	76,000
अमूर्त परिसंपत्तियाँ		18,800	24,000
(ख) गैर चालू निवेश		14,000	4,000
(ii) चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) रहतिया		31,200	34,000
(ख) व्यापारिक प्राप्य		43,200	30,000
(ग) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		11,200	6,800
योग		**2,14,800**	**1,74,800**

© NCERT not to be republished

खातों की टिप्पणियाँ

	31 मार्च, 2017 रु.	31 मार्च, 2016 रु.
1. अंश पूँजी		
समता अंश पूँजी	1,20,000	80,000
10% अधिमानी अंश पूँजी	20,000	40,000
	1,40,000	**1,20,000**
2. आरक्षित एवं अधिशेष		
सामान्य आरक्षित	12,000	8,000
लाभ व हानि विवरण मे शेष	10,800	7,200
	22,800	**15,200**
3. व्यापारिक देय		
देय विपत्र	**21,200**	**14,000**
4. अन्य चालू देयताएँ		
बकाया व्यय	**24,000**	**3,200**
5. अल्पकालीन प्रावधान		
कराधान के लिए प्रावधान	12,800	11,200
प्रस्तावित लाभांश	15,600	11,200
	28,400	**22,400**
6. मूर्त परिसंपत्तियाँ	20,000	40,000
भूमि एवं भवन	76,400	36,000
संयत्र	**96,400**	**76,000**

अतिरिक्त जानकारी

चालू वर्ष में भूमि एवं भवन पर ह्रास प्रभार 20,000 रु. है तथा संयंत्र पर 10,000 रु. है।

[**उत्तर –** प्रचालन क्रियाकलाप से राकेड़ प्रवाह 56,000 रु. निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह (60,400) रु. वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह 8,800 रु.]

9. निम्नलिखित जानकारी से रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करें –

तुलन-पत्र

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2015 रु.*	*31 मार्च 2014 रु.*
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंशधारियों की निधि			
(क) अंश पूँजी		7,00,000	5,00,000
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष		4,70,000	2,50,000

© NCERT not to be republished

(ii) गैर-चालू देयताएँ			
(क) 8% ऋणपत्र		4,00,000	6,00,000
(iii) चालू देयताएँ			
(क) व्यापारिक देय		9,00,000	6,00,000
योग		**24,70,000**	**19,50,000**
II. परिसंपत्तियाँ			
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थायी परिसंपत्तियाँ			
मूर्त परिसंपत्तियाँ		7,00,000	5,00,000
अमूर्त परिसंपत्तियाँ (ख्याति)		1,70,000	2,50,000
(ख) चालू परिसंपत्तियाँ			
रहतिया		6,00,000	5,00,000
व्यापारिक प्राप्य		6,00,000	4,00,000
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		4,00,000	3,00,000
योग		**24,70,000**	**19,50,000**

अतिरिक्त जानकारी

संयंत्र पर ह्रास 80,000 रु.।

[**उत्तर –** प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह 4,28,000 रु., निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह (2,80,000) रु. वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह (48,000) रु.]

10. निम्नलिखित जानकारी से योगिता लि. के लिए रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए।

तुलन पत्र

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2017, रु.*	*31 मार्च 2016, रु.*
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंशधारक निधि			
(क) अंश पूँजी	1	4,00,000	2,00,000
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष (अधिशेष)		2,00,000	1,00,000
(ii) गैर चालू देयताएँ			
(क) दीर्घकालीन ऋण	2	1,50,000	2,20,000
(iii) चालू देयताएँ			
(क) अल्पकालीन ऋण (बैंक अधिविकर्ष)		1,00,000	
(क) व्यापारिक देय		70,000	50,000
(ख) अल्पकालीन प्रावधान (कराधान के लिए प्रावधान)		50,000	30,000
योग		**9,70,000**	**6,00,000**

© NCERT not to be republished

II. परिसंपत्तियाँ			
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थाई परिसंपत्तियाँ			
मूर्त परिसंपत्तियाँ		7,00,000	4,00,000
(i) चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) रहतिया		1,70,000	1,00,000
(ख) व्यापारिक प्राप्य		1,00,000	50,000
(ग) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		—	50,000
योग		**9,70,000**	**6,00,000**

खातों की टिप्पणियाँ

विवरण	*31 मार्च 2017 रु.*	*31 मार्च 2016 रु.*
I. अंश पूँजी		
(i) समता अंश पूँजी	3,00,000	2,00,000
(ii) अधिमानी अंश पूँजी	1,00,000	-
	4,00,000	**2,00,000**
II. दीर्घकालीन ऋण		
(i) दीर्घकालीन ऋण	—	2,00,000
(ii) राहुल से ऋण	1,50,000	20,000
योग	**1,50,000**	**2,20,000**

अतिरिक्त जानकारी

50,000 रु. मूल्यह्रास के रूप में प्राप्ति करने के पश्चात् निवल लाभ 1,50,000 रु. है। अंशों पर लाभांश भुगतान 50,000 रु. किया गया, वर्ष के दौरान कर प्रावधान की राशि 60,000 रु. थी।

[**उत्तर –** प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह 1,20,000 रु. निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह (3,50,000) रु. वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह (80,000) रु.]

11. निम्नलिखित वित्तीय विवरण गरिमा लिमिटेड के हैं, इनके आधार पर रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए।

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2017 (रु.)*	*31 मार्च 2016 (रु.)*
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंशधारक निधि			
(क) अंश पूँजी	1	4,40,000	2,80,000
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष	2	40,000	28,000

(ii) चालू देयताएँ			
(क) व्यापारिक देय		1,56,000	56,000
(ख) अल्पकालीन प्रावधान		12,000	4,000
(कराधान के लिए प्रावधान)			
योग		**6,48,000**	**3,68,000**
II. परिसम्पत्तियाँ			
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थाई परिसंपत्तियाँ			
(ख) मूर्त परिसंपत्तियाँ		3,64,000	2,00,000
(i) चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) रहतिया		1,60,000	60,000
(ख) व्यापारिक प्राप्य		80,000	20,000
(ग) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		28,000	80,000
(घ) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ		16,000	8,000
योग		**6,48,000**	**3,68,000**

खातों की टिप्पणियाँ

विवरण	*31 मार्च 2017 रु.*	*31 मार्च 2016 रु.*
I. अंश पूँजी		
(i) समता अंश पूँजी	3,00,000	2,00,000
(ii) अधिमानीं अंश पूँजी	1,40,000	80,000
	4,40,000	**2,80,000**
II. आरक्षित एवं अधिशेष		
वर्ष के आरंभ मे लाभ व हानि विवरण में अधिशेष	28,000	
जोड़ा – वर्ष के दौरान लाभ	16,000	
घटाया – लाभांश	4,000	
वर्ष के अंत में लाभ	**40,000**	

अतिरिक्त जानकारी

1. ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान किया रु. 600
2. वर्ष के दौरान लाभांश का भुगतान किया रु. 4,000
3. वर्ष के दौरान ह्रास लगाया गया रु. 32,000

© NCERT not to be republished

[**उत्तर –** प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह (प्रवाह प्रयुक्त) 11,400 रु.
निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह (1,96,000) रु.
वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह 1,55,400 रु.

12. कंप्यूटर इंडिया लि. के निम्नलिखित तुलन-पत्र से रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए।

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2017 रु.*	*31 मार्च 2016 रु.*
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंशधारक निधि			
(क) अंश पूँजी		50,000	40,000
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष	1	3,700	3,000
(ii) गैर-चालू देयताएँ			
10% ऋणपत्र		6,500	6,000
(iii) चालू देयताएँ			
(क) अल्पकालीन ऋण	2	6,800	12,500
(क) व्यापारिक देय		11,000	12,000
(ग) अल्पकालीन प्रावधान	3	10,000	8,000
योग		**88,000**	**81,500**
II. परिसंपत्तियाँ			
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थायी परिसंपत्तियाँ	4	25,000	30,000
(ii) चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) रहतिया		35,000	30,000
(ख) व्यापारिक प्राप्य		24,000	20,000
(ग) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		3,500	1,200
(घ) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ - पूर्वदत व्यय		500	300
योग		**88,000**	**81,500**

खातों की टिप्पणियाँ

विवरण	*31 मार्च 2017 रु.*	*31 मार्च 2016 रु.*
I. आरक्षित एवं अधिशेष		
(i) लाभ व हानि विवरण का शेष	1,200	1,000
(ii) सामान्य आरक्षित	2,500	2,000
	3,700	**3,000**

II. अल्पकालीन ऋण		
(i) बैंक अधिविकर्ष	6,800	12,500
III. अल्पकालीन प्रावधान		
(i)कराधान के लिए प्रावधान	4,200	3,000
(ii) प्रस्तावित लाभांश	5,800	5,000
	10,000	**8,000**
IV. स्थाई परिसंपत्तियाँ		
स्थाई परिसंपत्तियाँ	40,000	41,000
घटाया- संचित ह्रास	(15,000)	(11,000)
	25,000	**30,000**

अतिरिक्त जानकारी

ऋण–पत्रों पर 600 रु. ब्याज भुगतान किया गया

[**उत्तर –** प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह 2,100 रु.
निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह 1,000 रु.
वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह 4,900 रु.

परियोजना कार्य

1. सूचीबद्ध तीन कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट में दिए गए रोकड़ प्रवाह विवरण को पढ़िए एवं विश्लेषण कीजिए तथा अभिनिश्चित कीजिए कि –
   (i) प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को परिकलित करने के उद्देश्य हेतु कौन–सी विधि (प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष) प्रयुक्त की गई।
   (ii) विशिष्ट मदों-जैसे कि लाभांश कर, स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ–हानि, असाधारण मदों, मूल्यह्रास आदि का निरूपण
   (iii) क्या सभी कंपनियों ने रोकड़ प्रवाह विवरण हेतु एक समान प्रारूप को अपनाया या भिन्न–भिन्न।
   (iv) आपके अनुसार कंपनियाँ अपनी वार्षिक रिपोर्ट में रोकड़ प्रवाह विवरण को कहाँ पर प्रकाश डालते हुए दर्शाती हैं?
2. "कंपनियों को निश्चित अनिवार्यता के साथ रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार एवं प्रस्तुत करना होता है" इस कथन के औचित्य पर कक्षा में चर्चा कीजिए। टिप्पणी कीजिए।
3. आपने एक कंपनी के पिछले तीन वर्षों के रोकड़ प्रवाह विवरणों का विश्लेषण किया है और पाया कि–
   (i) वर्षो–वर्ष रोकड़ एवं तुल्यराशियों में निवल वृद्धि हुई है।
   (ii) हालाँकि, प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़ प्रवाह हर समय नकारात्मक रहा है। उपर्युक्त स्थिति का संभावित कारण क्या हो सकता है। कंपनी की कार्य प्रणाली के बारे में आपके क्या विचार है।

स्वयं जाँचिने हेतु जाँच सूची

स्वयं जाँचिए-1

उत्तर –(अ) प्रचालन क्रियाकलाप- 3, 6, 7, 10, 13, 15, 19, 20, 23, 24, 27;
(ब) निवेश क्रियाकलाप - 1, 5, 8, 11, 12, 16, 17, 21, 22, 29;
(स) वित्तीय क्रियाकलाप - 2, 4, 9, 14, 18, 25, 26, 28;
(द) रोकड़ तुल्यराशियाँ - 30, 31, 32, 33.

स्वयं जाँचिए-2

उत्तर – 1. 40,000 रु., 2. 60,000 रु., 3. से कटौती
4. से कटौती, 5. जोड़ने हेतु (जोड़) 7. जोड़ने हेतु (जोड़ें)

उत्तर –1. +, 2. एन सी, 3. +, 4. -, 5. +, 6. एन सी, 7. -, 8 +, 9. एन सी, 10 -, 11 -, 12 +

अदावी लाभांशों का भुगतान	(0.03)	(0.09)
वित्तीय क्रियाकलापों से निवल रोकड़ प्रवाह	1,230.65	(334.49)
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियों में निवल वृद्धि	325.42	124.42
वर्ष के अंत में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ	137.66	13.24
वर्ष की शुरुआत में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ	463.08	137.66

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

© NCERT not to be republished